दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

खाने में तीखापन लाती है लाल ...8

सिद्धार्थनगर
बुधवार , 29 जुलाई 2026
वर्ष: 13 अंक : 227 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

लोकतंत्र में आंदोलन होते रहेंगे, जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग की जांच हो, जवाबदेही भी तय हो, सुप्रीम कोर्ट ने उठाए पुलिस एक्शन पर बड़े सवाल

नई दिल्ली। देश के अलग–अलग हिस्सों में छात्र प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की ज्यादतियों के बारे में दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पूछा कि जवाबदेही तय करने के लिए स्वतंत्र जांच क्यों नहीं कराई जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि देश भर में छात्रों के विरोध–प्रदर्शनों के दौरान हुई घटनाओं की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत का कहना है कि विरोध–प्रदर्शन लोकतंत्र का एक अनिवार्य हिस्सा हैं, और देश भर में सार्वजनिक प्रदर्शनों और विरोध–प्रदर्शनों पर पुलिस की प्रतिक्रिया को नियंत्रित करने के लिए एक स्पष्ट प्रोटोकॉल की

आवश्यकता है। यह बात भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच के उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें कहा गया था कि सिर्फ इसलिए पुलिस की ज्यादतियों को सही नहीं ठहराया जा सकता कि कोई आंदोलन चल रहा है। बेंच ने संतुलित रवैया अपनाने की बात कही और कहा कि असामाजिक तत्वों की हरकतों पर सजा मिलनी चाहिए।

पिछले हफ्ते दिल्ली के जंतर–मंतर और कई अन्य शहरों में पेपर लीक को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाई सवालों के घेरे में रही है। दिल्ली में, प्रदर्शनकारियों की भीड़ को तितर–बितर करने के लिए पैलेट गन का इस्तेमाल किए जाने के बाद सुरक्षाकर्मी मुश्किल में पड़ गए हैंय इस कार्रवाई में कुछ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बिहार में, विरोध प्रदर्शनों को दबाने के लिए पुलिस की फायरिंग में तीन लोग घायल हो गए और एक पुलिसकर्मी को सस्पेंड कर दिया गया है, क्योंकि सोशल मीडिया पर उसका एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वह विरोध प्रदर्शन के दौरान एके–47 असॉल्ट राइफल से फायरिंग करता दिख रहा था।

बिहार बंद के दौरान दर्ज 64 केस वापस लेने की प्रक्रिया शुरू, आंदोलनकारी छात्रों की रिहाई का रास्ता साफ

पटना। बिहार सरकार के निर्णय के बाद नीट छात्र आंदोलन के दौरान राज्य भर में दर्ज 64 प्राथमिकी को वापस लेने और गिरफ्तार प्रदर्शनकारियों को रिहा करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस संबंध में राज्य के महाधिवक्ता (एडवोकेट जनरल) एसडी संजय ने सभी जिलाधिकारियों और लोक अभियोजकों (पब्लिक प्रासिक्यूटर) को तत्काल कार्रवाई का निर्देश जारी किया है। नोटिस में कहा गया है कि सभी जिला पदाधिकारी अपने स्तर से संबंधित अधिकारियों को आवश्यक आदेश जारी करें, ताकि सरकार के फैसले का शीघ्र अनुपालन सुनिश्चित हो सके। इसकी रिपोर्ट सरकार और महाधिवक्ता कार्यालय को भेजी जाए। महाधिवक्ता कार्यालय की ओर से प्रदर्शनकारियों पर दर्ज 64 मुकदमों की जिलावार सूची भी जारी की गई है।

भारतीय तटरक्षक बलों के लिए ऐतिहासिक नीति सुधारों का आगाज, राजनाथ सिंह ने किया अनावरण

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के लिए दो महत्वपूर्ण नीति सुधारों का अनावरण किया। इसका उद्देश्य अधिकारियों की भर्ती और सेवा की शर्तों में लैंगिक समानता को बढ़ावा देना और ड्यूटी के दौरान समुद्र में लापता कर्मियों के परिवारों को अनुग्रह राशि देने की प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाना है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस कार्यक्रम में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, महानिदेशक (डीजी) आईसीजी परमेश शिवमणि और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। पिछले पांच दशकों में आईसीजी की उत्कृष्ट सेवा की सराहना करते हुए राजनाथ सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि ये भविष्यदृष्टि वाली नीतियां बल के मनोबल और संचालनात्मक क्षमता को और मजबूत करेंगी, क्योंकि यह 2027 में अपने स्वर्णिम जयंती की ओर बढ़ रहा है।

लोकसभा में पेपर लीक बिल पेश

जितेंद्र सिंह बोले– कानून को और सख्त बनाने का संकल्प

नई दिल्ली। मंगलवार को संसद के चल रहे मॉनसून सत्र के सातवें दिन, लोकसभा में सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026श पर विचार और उसे पारित करने की प्रक्रिया शुरू हुई। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में पेपर लीक विरोधी विधेयक पेश किया और कहा कि पेपर लीक से जुड़े कानून को और सख्त बनाने के लिए यह संशोधन लाया गया है। जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में कहा कि अलग–अलग पार्टियों की सरकारों वाले कई राज्यों में पेपर लीक की घटनाएं हुई हैं, और मोदी सरकार ने 2024 में परीक्षाओं में होने वाली गड़बड़ियों को रोकने के लिए कानून लाने का अधूरा काम पूरा किया है। जितेंद्र सिंह

ने UPA के समय हुए पेपर लीक की लिस्ट गिनाई और कहा कि 2009– रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्डय 2011– ऑल इंडिया इंजीनियरिंग एंट्रेंस एग्जामिनेशनय 2012– AIIMS नई दिल्ली एंट्रेंस पेपर लीकय 2013– महाराष्ट्र सेकेंडरी सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन। अगर मैं इनकी लिस्ट बनाता रहा, तो बिल पर चर्चा नहीं कर पाऊंगा... 2010– B.Ed. एंट्रेंस एग्जामिनेशन, उत्तर प्रदेशय 2012– तमिलनाडु पब्लिक सर्विस कमीशनय 2009– वेस्ट बंगाल जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम। इसलिए, इस सरकार को एक खास कानून की जरूरत महसूस हुई। भारत सरकार के तहत चार बड़ी रिक्रूटमेंट एजेंसियां हैं– UPSC, स्टाफ सिलेक्शन कमीशन, रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड और इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनलय और इसी तरह, हायर एजुकेशन में एडमिशन के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी है। उन्होंने कहा कि NTA भी इसी सरकार ने 2017 में बनाई थी। 1992 मेंकृ पहली बारकृकांग्रेस पार्टी की अगुवाई वाली भारत सरकार से एक कॉमन नेशनल टेस्टिंग एजेंसी बनाने की सिफारिश की गई थी। फिर, 2010 में, UPA के कार्यकाल के दौरान, एक कमेटी ने भी यही सुझाव दियाय मुझे नहीं पता कि इस पर ठीक से विचार क्यों नहीं किया गया, चाहे जो भी कारण या निजी हित रहे हों। इसलिए, मुझे लगता है कि आपको प्रधानमंत्री मोदी और इस सरकार की तारीफ करनी चाहिए। इसने एक ऐसा काम पूरा किया है एक अधूरा कामकृजिसे आपको खुद पूरा करना चाहिए था। पब्लिक एग्जामिनेशंस (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन बिल, 2026 पर जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह बिल, जिसे कल पेश किया गया था, असल में पहले वाले बिल – पब्लिक एग्जामिनेशंस प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स एक्ट 2024 – में एक संशोधन है, जिसे भी इसी सरकार ने पेश किया था। और न सिर्फ पेश किया था, बल्कि यह शायद आजाद भारत के इतिहास में अपनी तरह का पहला बिल था। उन्होंने कहा कि पहले वाला बिल और आज का संशोधन, एक तरह से, देश के छात्रों और युवाओं के कल्याण की रक्षा के लिए इस सरकार की गहरी प्रतिबद्धता को फिर से पुष्ट करते हैं। और साथ ही, यह प्रधानमंत्री मोदी के उस संकल्प को भी दोहराता है – कि श्भारत माताश के बच्चों के भविष्य के साथ किसी को भी खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा। इसलिए, इस बिल को एक तरह से भारतीय संसद के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होने वाला कानून कहा जा सकता है।

गुरु पूर्णिमा पर शिरडी साईं बाबा को मिला 1.03 करोड़ का सोने का मुकुट

साईं बाबा के भक्तों के लिए सबसे अहम त्योहारों में से एक, गुरु पूर्णिमा के मौके पर आंध्र प्रदेश के एक भक्त ने शिरडी साईं

बाबा मंदिर में 1.03 करोड़ रुपये कीमत का सोने का मुकुट भेंट किया। 642 ग्राम सोने से बना यह मुकुट नेल्लोर के भक्त मल्लादी श्रीनिवास राव ने मंदिर में गुरु पूर्णिमा समारोह के पहले दिन श्गुरु दक्षिणाश के तौर पर भेंट किया। श्री साईं बाबा मंदिर ट्रस्ट के अनुसार, बारीकी से बनाए गए इस मुकुट पर भगवान विष्णु के 10 अवतारों (दशावतार) की आकृतियाँ बनी हुई हैं, जो इसे एक अनोखा उपहार बनाती हैं। राव ने कहा कि यह मुकुट इस विश्वास से प्रेरित था कि साईं बाबा हिंदू परंपरा के नौ आकाशीय देवताओं, यानी नवग्रह का रूप हैं। उन्होंने कहा गुरु पूर्णिमा के मौके पर मैं बाबा को यह नवग्रह मुकुट भेंट कर रहा हूँ। इसकी कीमत लगभग 1 करोड़ रुपये है।

पंजाब में प्रश्नपत्र लीक को लेकर राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल का केजरीवाल पर निशाना

नयी दिल्ली,। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि पिछले पांच साल में पंजाब में छह प्रमुख परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए हैं, फिर भी केजरीवाल ''खामोश'' हैं। मालीवाल ने कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) को 'आप' की ''बी टीम'' करार देते हुए कहा कि इसका गठन केजरीवाल के सहयोगियों द्वारा किया गया है। संसद भवन परिसर में मालीवाल ने संवाददाताओं के साथ बातचीत में आरोप लगाया कि पंजाब में पिछले पांच साल के दौरान छह प्रमुख परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''पंजाब में पिछले पांच साल में छह प्रमुख परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए हैं और इसके अलावा कई परीक्षाओं में अनियमितताओं के आरोप लगे हैं। यहां तक कि 19 जुलाई को भी फार्मेसी परीक्षा में बड़े पैमाने पर धांधली हुई।''

इस्तीफे के बाद भी धर्मेंद्र प्रधान का जोरदार स्वागत, समर्थकों की भीड़

भुवनेश्वर। मंगलवार को भुवनेश्वर एयरपोर्ट पर पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री और बीजेपी सांसद धर्मेंद्र प्रधान का समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया। वहाँ उनके स्वागत के लिए बड़ी संख्या में लोग जमा हुए थे। नीट–यूजी 2026 का पेपर लीक होने के आरोपों को लेकर देश भर में हुए बड़े विरोध–प्रदर्शनों के बाद, प्रधान ने 25 जुलाई को शिक्षा मंत्री का पद छोड़ दिया था। अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए प्रधान ने कहा कि उन्होंने छात्रों के व्यापक हित में केंद्रीय मंत्रिपरिषद से हटने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा कि वह यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि देश के युवा भ्रम के जाल में न फँसें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे अपने इस्तीफे में प्रधान ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र के साथ उनका जुड़ाव लंबा और सार्थक रहा है, साथ ही उन्होंने भारत के युवाओं की उम्मीदों को पूरा करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई। प्रधान ने कहा कि चार दशकों से ज्यादा समय से मैं छात्रों, शिक्षकों और शिक्षा में सुधार के काम से जुड़ा रहा हूँ। मेरा हमेशा से मानना घ्घ्रहा है कि एक मजबूत, समावेशी और भविष्य की सोच रखने वाला शिक्षा तंत्र ही एक मजबूत राष्ट्र की नींव होता है। नीट–यूजी विवाद का जिक्र करते हुए प्रधान ने कहा कि 3 मई को हुई परीक्षा में गड़बड़ी सामने आने के बाद केंद्र ने तुरंत कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि हालांकि, 3 मई, 2026 को हुई नीट–यूजी परीक्षा में गड़बड़ी पाई गई।

असम में बाढ़ का कहर जारी

पीएम मोदी ने कहा- पीड़ितों को बचाने केंद्र-राज्य सरकारें एकसाथ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार राज्य में बाढ़ से प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए असम सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है। मोदी ने संसद भवन परिसर में असम के केंद्रीय मंत्रियों और बीजेपी सांसदों से मुलाकात के बाद यह बात कही।

इस साल अब तक बाढ़ के कारण 68 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रधानमंत्री ने श्श पर एक पोस्ट में कहा कि असम के सांसदों से मुलाकात की और राज्य के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। केंद्र सरकार प्रभावित लोगों की मदद के लिए असम सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है। मैं सभी की सुरक्षा और भलाई के लिए प्रार्थना करता हूं। बैठक में केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने भाग लिया। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, बाढ़ से छह जिलों – शिवसागर, गोलाघाट, चराइदेव, जोरहाट, नागांव और कामरूप (महानगर) में4,45,495 लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ की वजह से कुल 90 राहत कैंप चल रहे हैं, जिनमें28,695 लोगों को आश्रय दिया गया है। इसके अलावा, राहत सामग्री बांटने वाले 94 केंद्र भी काम कर रहे थे। बुलेटिन के अनुसार, NDRF, SDRF और सिविल डिफेंस के जवानों समेत कई एजेंसियां घ्बचाव और राहत का काम कर रही हैं और प्रभावित इलाकों में 67 नावें तैनात की गई हैं।

युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए राजस्थान सरकार कर रही लगातार काम: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार शिक्षा, खेल, रोजगार और स्वरोजगार सहित विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने विकसित भारत और विकसित राजस्थान के निर्माण में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। शर्मा ने मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित 'सपनों की उड़ान' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विचारवान, अनुशासित और संस्कारवान युवा ही प्रगतिशील समाज की मजबूत नींव होते हैं। उन्होंने कहा, ''युवा नए विचारों और ऊर्जा से भरपूर होते हैं। हमारी सरकार उनसे निरंतर संवाद कर रही है और उनकी उपयोगी सलाह को बजट सहित विभिन्न नीतियों में शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध है।''

अखिलेश यादव का सरकार पर तंज

एक प्रधान को हटाकर प्रधानमंत्री को बचा लिया

नई दिल्ली। लोकसभा में पेपर लीक के खिलाफ संशोधन बिल पर चल रही बहस के दौरान एसपी के अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार ने एक प्रधान को बचाने के लिए दूसरे प्रधान को हटा दिया है। अखिलेश यादव ने प्रधान शब्द का मजाकिया अंदाज में इस्तेमाल करते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर इशारा किया है। उन्होंने कहा कि जब मंत्री (पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान) (संसद) पहुँचे, तो सदन के बाहर उनका स्वागत किया गया। सोचिए

सदस्यों को कितनी बड़ी राहत मिली होगी और वे किस बड़े संकट से बच गए। एक प्रधान को हटाकर, आपने असल में श्प्रधानमंत्रीश को बचा लिया। अखिलेश यादव ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के कामकाज को लेकर सरकार की कड़ी आलोचना की और सवाल उठाया कि देश की सबसे महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थाओं में से एक का काम आउटसोर्स क्यों किया गया है। अखिलेश यादव ने लोकसभा में उन नीट उम्मीदवारों को श्रद्धांजलि दी जिन्होंने आत्महत्या कर ली थी। समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव का दावा है कि उत्तर प्रदेश में बीजेपी के शासनकाल में 10 वर्षों के दौरान 20 बार परीक्षा के पेपर लीक हुए। उन्होंने पार्टी की एक विशेष पुस्तिका से परीक्षा पेपर लीक की सूची भी पढ़कर सुनाई। मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि समस्या कानूनों की नहीं, बल्कि नीयत की है। उन्होंने कहा कि मैं दूर से ही विरोध–प्रदर्शन देख रहा था। जीत के बाद जो नारे लगाए गए, वे सरकार के खघ्लिाफ थे। यह सरकार इस बात पर गर्व करती थी कि वह किसी के सामने नहीं झुकती। इससे पहले कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने लोकसभा में परीक्षा प्रश्नपत्र निरोधक कानून को मोदी सरकार की "विफलता का स्मारक" करार दिया और कहा कि गृह मंत्री अमित शाह को सदन में इसका जवाब देना चाहिए कि प्रदर्शनकारी छात्रों पर पैलेट गन के इस्तेमाल का आदेश किसने दिया था।

AISA प्रेसिडेंट नेहा बोरा का केंद्र पर बड़ा हमला

एनटीए को खत्म करने या Statutory Body बनाने की मांग

नई दिल्ली। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा ने मंगलवार को प्रतियोगी परीक्षाओं में बार–बार हो रहे पेपर लीक को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने पेपर लीक रोकने वाले मौजूदा कानूनों को बेअसर बताया और कहा कि ये कानून सिस्टम की कमियों को दूर करने में नाकाम रहे हैं। पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, बोरा ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को खत्म करने या उसके ढांचे में बड़े कानूनी बदलाव करने पर जोर दिया, ताकि सबसे ऊंचे प्रशासनिक स्तरों पर जवाबदेही तय की जा सके। उन्होंने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी की भी आलोचना की, जिसके तहत देश भर में यूनिवर्सिटी, मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं को एक तरह से सेंट्रलाइज कर दिया गया है। आरोप है कि

इससे परीक्षा सिस्टम में पेपर लीक का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने कहा अगर इस समस्या को हल करने की जरूरत महसूस होती है, तो सबसे पहले एनटीए जैसी एजेंसी को खत्म कर देना चाहिए। दूसरी बात NEP है इस पॉलिसी के तहत देश भर में होने वाले एंट्रेंस एग्जाम (चाहे वे मेडिकल, इंजीनियरिंग या अलग–अलग यूनिवर्सिटीज के लिए हों) को सेंट्रलाइज और व्यवस्थित किया गया है। अगर आप पेपर लीक रोकना चाहते हैं, तो NTA जैसी एजेंसी, जो पूरी तरह से अपारदर्शी तरीके से काम करती है, उसे या तो खत्म कर दें या फिर संसद के एक एक्ट के जरिए इसे एक वैधानिक संस्था बनाएं, ताकि इसकी जवाबदेही तय हो सके। उन्होंने आगे कहा इनमें से कुछ भी नहीं किया गया। असल में, एक आसान और सीधा रास्ता चुना गया। यह वैसा ही है जैसे किसी कमजोर एक्ट के जरिए पेपर लीक के पूरे सिस्टम को रोकने की कोशिश करना। AISA प्रेसिडेंट ने इस बात पर जोर दिया कि सजा बढ़ाना जैसे जेल की सजा को तीन साल से बढ़ाकर पाँच साल करना या जुर्माना 1 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये करना महज एक सतही उपाय है, न कि कोई ठोस या ढांचागत समाधान।

जनपदीय क्रीड़ा समिति की बैठक सम्पन्न ,जिले के माध्यमिक विद्यालयों को सौंपी गई खेल आयोजन की जिम्मेदारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। शिक्षा निदेशक कार्यालय उत्तर प्रदेश के निर्देश के क्रम में मंगलवार को शैक्षिक सत्र 2026–27 की जनपदीय क्रीड़ा समिति की बैठक डायट हाल में आयोजित हुई। समिति की अध्यक्षता जिला विद्यालय निरीक्षक मृदुला आनंद ने किया । इस दौरान स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया और माध्यमिक शिक्षा विभाग के निर्देश पर आयोजित होने वाले जिला स्तरीय और मंडल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं के सफल एवं समयबद्ध आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई तथा विभिन्न खेलों के आयोजन की जिम्मेदारी जनपद के विभिन्न विद्यालयों को सौंपते हुए कार्यक्रमों का आवंटन किया गया। साथ ही साशन के निर्देश के अनुसार हर विद्यालय प्रत्येक दशा में कम से कम दो खेलों में अनिवार्य रूप से प्रतिभाग कराने का निर्देश जारी किया । बैठक में निर्णय लिया गया कि हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन सरस्वती विद्यामंदिर , तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन बसंत लाल इंटर कालेज तुलसीपुर, बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन स वल्लभ भाई पटेल इ का गालिबपुर , फुटबॉल भारतीय विद्यालय उतरौला , निशानेबाजी एम वाई उस्मानी इंटर कालेज उतरौला,राम शंकर भारतीय विद्यालय इंटर कालेज कबड्डी, यल एम टी पचपेड़वा को खो खो, स्वतंत्र भारत इंटर कॉलेज को शूटिंग, मोहनलाल राम लाल इंटर कालेज शिवपुरा को योगासन, मॉडर्न इंटर कालेज क्रिकेट, सी एम एस इंटर कालेज को क्रिकेट

अंडर 14 बालक व बालिका ,ए जी हाशमी इंटर कालेज को सेपक टकरा, कुराश, वुशु,ताईक्वांडो ,हाजी इस्माइल इंटर कालेज को ताइक्वांडो , फजले रहमानिया इंटर कालेज पचपेड़वा को वॉलीबॉल , सरदार पटेल इंटर कालेज को बैडमिंटन, शतरंज एच आर ए इंटर कालेज उतरौला जनपद स्तरीय खेलों का आयोजन करेंगे । इसके अलावा फुटबॉल, एथलेटिक्स, कबड्डी, खो–खो, कुश्ती सहित अन्य मंडलीय खेल प्रतियोगिताओं का भी विद्यालयों को आवंतित किया गया। एम पी पी इंटर कालेज जनपदीय और मंडलीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन करेंगी । जनपदीय क्रीड़ा समिति का गठन करते हुए जिले के 10 व्यायाम शिक्षकों को खेलों के आयोजन में उपस्थित रहते हुए खेल संपन्न कराने का दायित्व दिया गया है। जिले को प्राप्त मंडल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं के नियमानुसार आयोजन पर भी चर्चा की गई संबंधित प्रधानाचार्य एवं खेल शिक्षकों को आवश्यक दायित्व सौंपे गए हैं। बलरामपुर की जिला विद्यालय निरीक्षक मृदुला आनंद ने कहा कि बलरामपुर जनपद में लगातार स्कूली खेलों का स्तर काफी सुधरा है । हमारे जनपद से स्कूली बच्चों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर तक पंहुचे है । सत्र 2025 में दो बच्चे नेशनल स्तरीय खेल और चार शिक्षक नेशनल स्तरीय खेलों में कोच और प्रबंधक के रूप में पहली बार प्रतिभाग किए है। यह गौरव का विषय है । उन्होंने कहा जिले में मंडल स्तर के आयोजित होने वाले सभी खेलो के सकुशल आयोजन के लिए जिला खेल समिति को जिम्मेदार बनाया गया है । इन खेलो के निर्विवाद संपादन एवं निष्पक्ष आयोजन के लिए विशेषज्ञ दस व्यायाम शिक्षकों की एक निर्णायक समिति का गठन किया है । जिसका नेतृत्व जिला खेल सचिव मो. सुहेल करेंगे ये व्यायाम शिक्षक जिला और मंडलीय खेल के दौरान क्रीड़ा स्थल पर उपस्थित रहकर दायित्व निभाएंगे।

जिला विद्यालय निरीक्षक मृदुला आनंद ने बताया कि खेल गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने सभी आयोजक विद्यालयों को समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण प्रतियोगिताएं कराने का निर्देश दिया साथ ही संपादित खेलोंके परिणाम एवं चयनित खिलाड़ियों के सभी पत्रजात आयोजन के दो दिवस के भीतर कार्यालय में उपलब्ध करने के भी निर्देश दिए हैं ताकि खिलाड़ियों को आगे के खेलों में ससमय प्रतिभाग सुनिश्चित हो सके और उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का बेहतर अवसर मिल सके। जिला क्रीड़ा सचिव मो सुहेल ने विगत वर्ष के आयोजन का ब्यौरा एवं आय व्यय लेखा प्रस्तुत किया उन्होंने कहा विगत वर्ष जनपद के बच्चों ने मंडलीय स्तर पर प्रदेशीय खेलों में एवं राष्ट्रीय स्तर पर दो खिलाड़ियों और चार शिक्षकों ने प्रतिभाग किया जिसका समस्त व्यय जिला कोष से वाहन किया गया। जिले के विभिन्न खेल के चयनित खिलाड़ियों को सकुशल मंडल प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर के खेलों में ससमय प्रतिभाग कराया गया जो एक बड़ी उपलब्धि है। इस अवसर पर जिला खेल कोषाध्यक्ष कुमेश कुमार सरोज, डॉ चंदन पांडे प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कालेज ,साधना पाण्डेय,रीता चौधरी,मुजीबुल हसन,असीम ,हफीजुर्रहमान, अन्नपूर्णा देवी ,राम शंकर यादव , वी के शुक्ला ,अभय शंकर सहित दर्जनों विद्यालयों के प्रधानाचार्य और व्यायाम शिक्षक नसीम अहमद ,राजेश श्रीवास्तव,उमेश कुमार,अभय ,नवीन पाल,सईद अहमद,मदन लाल, पंकाज पाण्डेय , प्रशांत सिंह,नन्हे प्रसाद,रश्मि सिंह,अंशु वर्मा,स्मृति पाठक, अंजुम शकील,अर्पण पाण्डेय,उमेश तिवारी सहित कई लोग मौजूद रहे।

मरवटिया बाजार के पास स्कूल बस पलटी, सभी बच्चे सुरक्षित; तीन छात्र मामूली रूप से घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। खेसरहा थाना क्षेत्र के बसडीला और मरवटिया बाजार के बीच मंगलवार दोपहर एक निजी स्कूल बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे के समय बस में स्कूली बच्चे सवार थे। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई, लेकिन ग्रामीणों की तत्परता से सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इस हादसे में तीन बच्चों को मामूली चोटें आईं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोपहर करीब 3 बजे बस अचानक सड़क किनारे पलट गई। बस पलटने की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और बस में फंसे बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। सूचना मिलते ही पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई और स्थिति का जायजा लिया। घटना की जानकारी मिलते ही बच्चों के अभिभावक भी मौके पर पहुंच गए। अपने बच्चों को सुरक्षित

देखकर उन्होंने राहत की सांस ली। कुछ देर के लिए घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुटी रही। थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्रा ने बताया कि दुर्घटना में तीन बच्चों को हल्की चोटें आई थीं, जिन्हें तत्काल प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया गया। सभी की हालत सामान्य है और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। फिलहाल पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। वहीं, स्थानीय लोगों ने समय रहते राहत कार्य में सहयोग करने वाले ग्रामीणों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सूझबूझ और तत्परता से एक बड़ा हादसा टल गया।

31 जुलाई तक मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन करेगा प्राथमिक शिक्षक संघ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने वित्त एवं लेखाधिकारी (बेसिक शिक्षा) को मांगपत्र सौंपकर 31 जुलाई तक लंबित समस्याओं के समाधान की मांग की है। संगठन ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय तक मांगें पूरी नहीं होने पर धरना–प्रदर्शन किया जाएगा। जिलाध्यक्ष राधेरमण त्रिपाठी और जिला मंत्री योगेन्द्र पाण्डेय ने बताया कि दिवंगत शिक्षक उमेश मिश्रा व अमरनाथ के आश्रितों की पारिवारिक पेंशन और ग्रेच्युटी की फाइलें लंबे समय से लंबित हैं। इसके अलावा सैकड़ों शिक्षकों के जीपीएफ अग्रिम व स्थायी आहरण के आवेदन भी अटके हुए हैं तथा पुरानी पेंशन योजना के शिक्षकों को अब तक अद्यतन जीपीएफ पासबुक और वार्षिक लेखा पर्ची जारी नहीं की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि जुलाई 2016 में नियुक्त शिक्षकों के वेतन पुनर्निर्धारण में एकरूपता नहीं अपनाई गई है और नियम 22(बी) के बावजूद कई शिक्षक लाभ से वंचित हैं।आज होगी लेखाधिकारी व शिक्षक संघ की वार्ता शिक्षक संघ के मांगपत्र पर चर्चा के लिए वित्त एवं लेखाधिकारी अभिनय सिंह ने संगठन के पदाधिकारियों को बुधवार शाम 5 बजे वार्ता के लिए आमंत्रित किया है।

बाल श्रम उन्मूलन अभियान तेज, नौ किशोर श्रमिक चिन्हित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद को दिसंबर 2026 तक बाल श्रम मुक्त बनाने के लक्ष्य के तहत मंगलवार को श्रम विभाग की जिला टास्क फोर्स (डीटीएफ) ने जिलाधिकारी के

निर्देशन में उसका बाजार एवं पकड़ी में विशेष जागरूकता एवं प्रवर्तन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान व्यापारियों को बाल श्रम न कराने और बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही छः प्रतिष्ठानों से नौ किशोर श्रमिकों का चिन्हांकन कर संबंधित सेवायोजकों को नोटिस जारी करते हुए विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई। अभियान के दौरान अधिकारियों ने व्यापारियों से अपील की कि वे अपने प्रतिष्ठानों पर किसी भी बच्चे या किशोर से अवैध रूप से श्रम न कराएं। दुकानों पर श्बाल श्रम मुक्त प्रतिष्ठानश के स्टीकर भी लगाए गए, ताकि समाज में जागरूकता का संदेश पहुंचे और बाल श्रम के प्रति संवेदनशील वातावरण तैयार हो सके। श्रम प्रवर्तन अधिकारी जितेंद कुमार ने बताया कि बच्चों का स्थान कार्यस्थल नहीं, बल्कि विद्यालय है। प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह बाल श्रम को रोकने में प्रशासन का सहयोग करे। यदि कहीं भी बाल श्रम होता दिखाई दे तो कोई भी इसकी सूचना तत्काल संबंधित विभाग को दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके। अभियान में श्रम प्रवर्तन अधिकारी जितेंद्र कुमार, एएचटी प्रभारी निरीक्षक रविन्द्र सिंह, वरिष्ठ सहायक जीडी तिवारी, जिला सलाहकार श्रम विभाग (एमएसईएमवीएस) जय प्रकाश गुप्ता, थाना एएचटी से मुख्य आरक्षी अजय कुमार दुबे, अंगद सिंह, महिला मुख्य आरक्षी शीलमती शर्मा, आरक्षी आशुतोष सिंह शामिल रहे।

महिलाओं के लिए वरदान है शतावरी: प्रोफेसर नवल किशोर दुबे

कुशीनगर,। शतावरी का पौधा महिलाओं के लिए अत्यंत ही लाभकारी है। इसका औषधीय गुण भी सर्वाधिक होता है। उक्त बातें महिला महाविद्यालय हेतिमपुर में आयोजित स्वास्थ्य के लिए शतावरी जन जागरण कार्यक्रम के दौरान काशी हिंदू विश्वविद्यालय वनस्पति विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर नवल किशोर दुबे ने कही। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण व शिक्षा प्रसार संस्था वाराणसी और आयुष मंत्रालय के सौजन्य से आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शतावरी औषधीय गुण से परिपूर्ण पौधा है। इसका उपयोग काफी लाभकारी होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर रामदेव शुक्ल ने कहा कि आम जन को जागरूक कर औषधि पौधों और उद्यानिकी को बढ़ावा देने की जरूरत है। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान करने के लिए समाज सेवी व शिक्षाविद दयाशंकर पांडेय द्वारा पवित्र डिग्री कॉलेज की प्राचार्य डॉक्टर सुधा राज लक्ष्मी, वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज पांडेय, युवा नेता अमित पांडेय, पूर्व ब्लाक प्रमुख अशोक कुमार पांडेय, प्राचार्य सुनील तिवारी, धनंजय मणि त्रिपाठी, दुर्गेश तिवारी, सुनील पांडेय समेत दर्जनों विभूतियों को सम्मानित किया गया। संस्था की ओर से ग्रामीण छात्र–छात्राओं को शतावरी का पौधा भी वितरित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए संस्था के अध्यक्ष डॉ निर्मल किशोर ने शतावरी के महत्व पर व्यापक रूप से प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि पूर्व प्रमुख अशोक कुमार पांडेय ने शतावरी के उपयोग से जुड़ी जानकारी साझा की। उन्होंने विभिन्न विकास योजना का भी विस्तार से उल्लेख किया। कार्यक्रम का आरंभ सरस्वती वंदना व स्वागत गीत से शुरू हुआ। कार्यक्रम में मोहन सिंह, सद्दाम हुसैन, यशी पांडेय, अर्चना सिंह, बांका यादव, सोनू सिंह के अलावा महिला महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित रहे।

डीएम की अध्यक्षता में रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष जिला स्टेयरिंग समिति की बैठक सम्पन्न

कुशीनगर,। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष के अंतर्गत जिला स्टेयरिंग समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पॉक्सो एक्ट से संबंधित मामलों सहित मिशन वात्सल्य योजनान्तर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में पॉक्सो एक्ट के कुल 05 प्रकरण समिति के समक्ष प्रस्तुत किए गए। जिनमें से 02 मामलों को स्वीकृति प्रदान की गई तथा 03 मामलों को अस्वीकृत किया गया। इसके अतिरिक्त 14 मामलों में एफएसएल रिपोर्ट प्राप्त न होने के कारण संबंधित अधिकारियों को शीघ्र एफएसएल रिपोर्ट उपलब्ध कराते हुए प्रकरणों का निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि पॉक्सो एक्ट से संबंधित मामलों में पीड़िताओं के मेडिकल परीक्षण में पूर्ण सहयोग सुनिश्चित किया जाए। जिससे उनकी वास्तविक स्थिति के आधार पर पात्र पीड़िताओं को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा सके। बैठक में मिशन वात्सल्य के अंतर्गत संचालित बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, जिला बाल संरक्षण इकाई, उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, वन स्टॉप सेंटर तथा बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ योजना की भी विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को शासन द्वारा निर्गत दिशा–निर्देशों के अनुरूप सभी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रतिनिधि प्रदीप झा, डिप्टी मुख्य चिकित्साधिकारी के प्रतिनिधि डॉ. रामदास कुशवाहा, वरिष्ठ कोषाधिकारी सुनील कुमार यादव, संयुक्त निदेशक अभियोजन दिनेश यादव, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी नृतान्त सिंह, क्षेत्राधिकारी कसया डॉ. अजय कुमार सिंह, किशोर न्याय बोर्ड एवं बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अमित राय, सदस्य अनिरुद्ध कुशवाहा, कृष्ण कुमार उपाध्याय, शशि मल्ल पाण्डेय एवं श्रीमती पुष्पा पाण्डेय, वन स्टॉप सेंटर की सेंटर मैनेजर श्रीमती रीता यादव, चाइल्ड हेल्पलाइन के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर अभिषेक कुमार सिंह, हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वूमेन के प्रतिनिधि नलिन सिंह, विशेष दत्तक ग्रहण इकाई की श्रीमती वंदना गुप्ता तथा रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष के दिनेश कुमार एवं राहुल कुशवाहा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। बैठक का संचालन बोर्ड के सदस्य सचिव, नोडल अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं उप मुख्य परिवीक्षा अधिकारी, गोरखपुर मंडल, गोरखपुर राजेश चन्द्र ने किया।

डीएफओ साहब?, कहां हैं 1.20 करोड़ पौधे?, हर साल पौधरोपण का टूटा रिकॉर्ड, फिर भी हरियाली गायब?

पौधे लगाए या फाइलें हरी कीं? वन विभाग पर उठे बड़े सवाल।

कुशीनगर। जनपद में पिछले तीन वर्षों से वृक्षारोपण के नाम पर हर साल नए–नए रिकॉर्ड बनाए जा रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2024, 2025 और 2026 को मिलाकर करीब 1 करोड़ 20 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य और उपलब्धि बताई जा रही है। हर वर्ष अभियान चलता है। विभागीय अधिकारी पौधे लगाते हैं, प्रेस नोट जारी होते हैं और दावा किया जाता है कि जिले में हरियाली बढ़ रही है। लेकिन सवाल यह है कि यदि वास्तव में 1 करोड़ 20 लाख पौधे धरती पर लगाए गए थे, तो उनका अस्तित्व आखिर कहां है? आखिर जिले की तस्वीर में वह हरियाली क्यों नहीं दिखाई दे रही है? जिसका दावा सरकारी फाइलों में किया जा रहा है?।

जानकारों का कहना है तीन वर्षों में 1 करोड़ 20 लाख पौधे लगाए गए है, तो उनका असर जिले के हर ब्लॉक, हर ग्राम पंचायत, हर सड़क और हर सरकारी भूमि पर साफ दिखाई देना चाहिए था। गांवों की तस्वीर बदलनी चाहिए थी। लेकिन हकीकत यह है कि आज भी जिले के अधिकांश क्षेत्रों में हरियाली का वही पुराना संकट दिखाई दे रहा है। यही वजह है कि आम लोगों के बीच यह चर्चा जोरो पर है कि आखिर पौधे लगाए गए थे या सिर्फ उनका रिकॉर्ड तैयार किया गया था।

बताते चलें कि वृक्षारोपण कोई मुफ्त का अभियान नहीं है। एक पौधे को तैयार करने, उसे नर्सरी से लाने, गड्ढा खोदने, रोपण कराने, मजदूरी देने, खाद–पानी, रखरखाव, निगरानी, ट्री गार्ड आदि सुरक्षा व्यवस्था तक पर लाखो रुपये सरकारी धन खर्च होता है।

यही कारण है कि अब सवाल सिर्फ पौधों का नहीं, बल्कि जनता के गाढी कमाई का भी है। पौधरोपण के लिए जिले मे तीन वर्षों में कुल कितना बजट खर्च हुआ? प्रति पौधा औसतन कितना खर्च आया? पौधे बचाने के लिए कितना धन अलग से खर्च हुआ? पौधों की सुरक्षा का जिम्मा किसके पास था?।

पौधा लगाना आसान, पेड़ बनाना मुश्किल––

वन विभाग हर वर्ष पौधे लगाने की संख्या बताता है। लेकिन यह कभी नही सार्वजनिक किया कि उन पौधों में से कितने आज जीवित हैं।जानकारों का कहना है कि वृक्षारोपण का असली पैमाना पौधों की संख्या नहीं, बल्कि उनका सर्वाइवल रेट होता है। यदि लाखों पौधे कुछ महीनों में ही सूख गए, तो यह केवल प्राकृतिक कारण नहीं माना जा सकता। यह निगरानी, संरक्षण और जवाबदेही का भी विषय बनता है।

डीएफओ का बयान ही खड़े कर रहा सवाल––

सूत्र बताते है कि प्रभागीय वनाधिकारी स्वयं सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार कर चुके हैं कि हर वर्ष बड़ी संख्या में पौधे लगाए जाते हैं, लेकिन पर्याप्त देखभाल नहीं होने से वे पेड़ नहीं बन पाते।

यदि ऐसा है, तो फिर हर वर्ष वही व्यवस्था दोहराई क्यों जा रही है? जब विभाग को पहले से समस्या की जानकारी है, तो उसे दूर करने के लिए क्या ठोस कदम उठाए गए?।

सर्वाइवल रेट सार्वजनिक क्यों नहीं?–– वन विभाग यदि दावा करता है कि लाखों पौधे लगाए गए हैं, तो उसे यह भी बताना चाहिए कितने पौधे जीवित हैं?।

कितने पेड़ बन चुके हैं? किस ब्लॉक में सबसे अधिक पौधे बचे? किस विभाग का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा?। किस अधिकारी की जिम्मेदारी तय हुई? यदि यह जानकारी उपलब्ध नहीं कराई जा रही है, तो पूरे अभियान की पारदर्शिता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

जांच हो तो दूध का दूध, पानी का पानी हो जाएगा साफ–– पर्यावरण से जुड़े लोगों का कहना है कि अब केवल पौधों की संख्या गिनने से काम नहीं चलेगा। जरूरत इस बात की है कि किसी स्वतंत्र एजेंसी से पूरे जिले में तीन वर्षों मे लगाये गये 1 करोड 20 लाख पौधों का भौतिक सत्यापन कराया जाए।यदि पौधे जीवित हैं, तो उनकी सूची सार्वजनिक की जाए। यदि नहीं बचे हैं, तो कारण और जिम्मेदारी दोनों तय किए जाएं। तीन वर्षों में कुल कितना धन खर्च हुआ? प्रति पौधा औसतन कितना खर्च आया?

1 करोड़ 20 लाख में से कितने पौधे आज जीवित हैं?। कितने पौधे पेड़ बन चुके हैं?पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी किस अधिकारी की थी? कितने स्थानों का भौतिक सत्यापन कराया गया?यदि पौधे नहीं बचे, तो अब तक किसके खिलाफ कार्रवाई हुई? सवाल केवल 1 करोड़ 20 लाख पौधों का नहीं, बल्कि उन पर खर्च हुए सार्वजनिक धन, उनकी सुरक्षा और पूरे अभियान की जवाबदेही का है।

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर पौधा वितरण एवं पर्यावरण जागरूकता गोष्ठी का हुआ आयोजन

कुशीनगर। विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा हाटा विकास खंड के जूनियर हाईस्कूल भठही राजा के परिसर में पौधा वितरण एवं प्रकृति संरक्षणरू हमारा कर्तव्य, हमारा भविष्य विषयक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते संस्था के सचिव डॉ. हरिओम मिश्र ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण केवल सरकार का नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर लगाए जाने वाले अनेक पौधे समुचित देखभाल के अभाव में जीवित नहीं रह पाते हैं। इसी कारण संस्था द्वारा विद्यार्थियों को फूलों के पौधे भेंट किए जा रहे हैं, जिन्हें वे अपने घर के आँगन, गमले अथवा कम स्थान में भी आसानी से लगा सकते हैं। इससे पौधों की नियमित देखभाल होगी, उनके जीवित रहने की संभावना बढ़ेगी और घर का वातावरण भी हराभरा एवं सुंदर बनेगा। उन्होंने विद्यार्थियों से पौधों को केवल लगाना ही नहीं, बल्कि उनकी नियमित देखभाल कर उन्हें विकसित करने का भी आह्वान किया। जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि सतवंत यादव ने कहा कि स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण स्वस्थ समाज की आधारशिला है। पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी आवश्यक है तथा नई पीढ़ी को इसके प्रति जागरूक करना समय की आवश्यकता है। ग्राम प्रधान परेवाटार इसरार अहमद ने कहा कि वृक्ष और पौधे मानव जीवन के अभिन्न साथी हैं। पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी सुरक्षा का दायित्व निभाना चाहिए। शिक्षक संघ अध्यक्ष देवानंद धर दुबे ने कहा कि विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के संस्कार विकसित करना अत्यंत आवश्यक है। यदि बच्चे आज से ही प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनेंगे तो भविष्य का समाज अधिक सुरक्षित और पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान सुभाष कान्दू एवं अतिथियों का स्वागत प्रधानाध्यापक राजीव नयन द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को विभिन्न प्रजाति के फूल के पौधे भेंट किए गए। पौधे पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने उन्हें अपने घरों में लगाकर उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रवीण राव, अमित सिंह, विजय राय, अनिल तिवारी, तेज प्रताप सिंह, उमेश उपाध्याय, धीरज मिश्र, सुमित राय, रमावती देवी आदि उपस्थित रहे।

पांच साल में ही दरक गया पंचायत भवन, 24 लाख के निर्माण पर उठे गंभीर सवाल; खबर के बाद सीडीओ ने लिया तत्काल संज्ञान

दैनिक बुद्ध का संदेश रवि जायसवाल

सिद्धार्थनगर। जोगिया विकासखंड की ग्राम पंचायत जोगिया में करीब पांच वर्ष पूर्व लगभग 24 लाख रुपये की लागत से निर्मित पंचायत भवन अब अपनी बदहाल स्थिति को लेकर चर्चा का विषय बन गया है। भवन की दीवारों में उभर आई दरारों ने सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जिस भवन को वर्षों तक ग्रामीणों की सुविधा के लिए बनाया गया था, वह महज कुछ वर्षों में ही दरकने लगा है। ऐसे में सरकारी धन के उपयोग और निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत भवन का संचालन भी नियमों के अनुरूप नहीं हो रहा है। निर्धारित समय पर भवन नहीं खुलने से लोगों को आयुष्मान कार्ड, परिवार रजिस्टर, प्रमाण–पत्र, पेंशन और अन्य सरकारी योजनाओं से जुड़ी सेवाओं के लिए परेशान होना पड़ता है। सोमवार को दोपहर करीब 3:20 बजे पंचायत भवन के एक हिस्से पर ताला लटका मिला, जिससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखने को मिली। जब इस संबंध में ग्राम पंचायत सचिव गौरव त्रिपाठी से जानकारी ली गई तो उन्होंने स्पष्ट कहा, ष्यह पंचायत भवन मेरे कार्यकाल में नहीं बना है। लेकिन इस बयान के बाद सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा हो गया कि यदि निर्माण उनके कार्यकाल में नहीं हुआ, तो आखिर भवन की गुणवत्ता की जवाबदेही किसकी है? निर्माण कार्य की निगरानी किसने की थी और यदि गुणवत्ता में कमी थी तो संबंधित अधिकारियों या निर्माण एजेंसी पर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई? मामले पर खंड विकास अधिकारी रामानंद वर्मा ने कहा कि शिकायत उनके संज्ञान में है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पूरे प्रकरण की जांच कराई जाएगी और यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता सामने आती है तो संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस मामले की खबर सामने आने के बाद सिद्धार्थनगर के मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) बलराम सिंह ने तत्काल संज्ञान लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। सीडीओ के संज्ञान लेने से अब ग्रामीणों में उम्मीद जगी है कि इस बार मामला केवल जांच और आश्वासन तक सीमित नहीं रहेगा। ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी योजनाओं के तहत विकास कार्यों पर लाखों रुपये खर्च किए जाते हैं, लेकिन यदि कुछ ही वर्षों में भवनों में दरारें पड़ने लगें और पंचायत भवन समय पर न खुले, तो यह केवल निर्माण कार्य की खामी नहीं बल्कि पूरी व्यवस्था की जवाबदेही पर प्रश्नचिह्न है। लोगों ने मांग की है कि पंचायत भवन की उच्चस्तरीय तकनीकी जांच कराई जाए, निर्माण में हुई किसी भी प्रकार की अनियमितता की निष्पक्ष जांच हो तथा दोषी अधिकारियों, कर्मचारियों और निर्माण एजेंसी की जिम्मेदारी तय कर कठोर कार्रवाई की जाए। अब सवाल सिर्फ जोगिया पंचायत भवन का नहीं, बल्कि उन सभी सरकारी निर्माण कार्यों का है जिन पर जनता की गाढ़ी कमाई खर्च होती है। यदि समय रहते जवाबदेही तय नहीं हुई तो विकास कार्यों की गुणवत्ता पर उठ रहे सवाल और गहरे होंगे। अब पूरे जिले की निगाह प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी है कि जांच के बाद वास्तव में दोषियों पर कार्रवाई होती है या फिर यह मामला भी फाइलों तक सिमट कर रह जाएगा।

समय पर नहीं खुल रहा पंचायत भवन, ग्रामीणों में नाराजगी। मुख्य बिकास अधिकारी बलराम सिंह ने बताया कि निर्माण के गुणवत्ता की होगी जांच और जांचोपरांत दोषियों पर कार्रवाई निश्चित होगी।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में NITI TARA पर क्षमतावर्धन कार्यशाला आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की अध्यक्षता में जनपद स्तर पर NITI TARA विषयक एक दिवसीय क्षमतावर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य जनपद एवं विकासखंड स्तर के अधिकारियों को डेटा आधारित योजना निर्माण, मॉनिटरिंग एवं मूल्यांकन प्रणाली से परिचित कराना तथा विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुदृढ़ बनाना था। कार्यशाला में जनपद स्तरीय समस्त अधिकारी एवं विकासखंड खेसरहा के सभी खंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी बी.एस. यादव ने NITI TARA टूलकिट की उपयोगिता, कार्यप्रणाली एवं इसके प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षण सत्र का संचालन म्बब्स् पदकपं के प्रतिनिधि विकास कुमार द्वारा किया गया। उन्होंने NITI TARA पोर्टल, डेटा प्रबंधन, निगरानी तंत्र तथा विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अधिकारियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर डेटा आधारित प्रशासनिक निर्णय प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने, विकास योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग, सटीक मूल्यांकन एवं बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम में जिला विकास अधिकारी राजमणि वर्मा, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी श्री बी.एस. यादव, अपर जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी विरेन्द्र सिंह,खंड विकास अधिकारी खेसरहा श्री विजय सिंह, मुख्यमंत्री फेलो, विकासखंड खेसरहा, दुर्गेश कुमार गुप्ता सहित जनपद एवं विकासखंड स्तर के समस्त संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

साइबर ठगी के शिकार पीड़िता को चिल्हिया पुलिस ने लौटाए 3500 रूपये

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़,चिल्हिया/सिद्धार्थनगर। थाना चिल्हिया पुलिस की साइबर सेल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी की शिकार एक युवती की रू3,500 की धनराशि वापस कराकर उसे राहत दिलाई है। खाते में रकम वापस आने पर पीड़िता ने पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर साइबर अपराध की रोकथाम एवं ठगी की रकम की रिकवरी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के पर्यवेक्षण में थाना चिल्हिया पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में थाना चिल्हिया की साइबर सेल ने 13 जुलाई 2026 को एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज शिकायत संख्या 33107250083598 की जांच की।

शिकायत शाहा पकड़ी निवासी लाली बरई पुत्री राहुल शर्मा द्वारा वित्तीय साइबर फ्रॉड के संबंध में दर्ज कराई गई थी। जांच के दौरान साइबर सेल ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए ठगी गई रू3,500 की पूरी धनराशि पीड़िता के बैंक खाते में वापस करा दी। धनराशि प्राप्त होने पर पीड़िता ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। सराहनीय भूमिका निभाने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार गुप्ता, उपनिरीक्षक शारदा प्रसाद, कांस्टेबल राम पाल तथा आरक्षी बृजेश कुमार और चन्द्रजीत यादव शामिल रहे।

शिक्षण को रोचक एवं बालोपयोगी बनाएं: रामकुमार सिंह

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। बुनियादी साक्षरता एवं गणित ज्ञान के प्रभावी शिक्षण हेतु शिक्षण कार्य को सरल, रोचक एवं बाल केंद्रित बनाने के लिए शिक्षकों को सतत प्रयास करने की आवश्यकता है। प्रत्येक बच्चे की दक्षता स्तर का

नियमित आंकलन करते हुए शिक्षक बच्चों का सर्वांगीण विकास कर सकते हैं। मंगलवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र नौगढ़ में शुरू हुए पांच दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण का शुभारंभ करते हुए यह विचार बीईओ रामकुमार सिंह ने व्यक्त किए। प्रशिक्षक जयप्रकाश गुप्ता, शिवशंकर मिश्रा, अनंतदीप यादव, शशिकुमार यादव एवं रामपाल ने भाषा एवं गणित शिक्षण को रोचक एवं प्रभावी बनाने के लिए शिक्षकों से परस्पर चर्चा परिचर्चा करते हुए प्रशिक्षण का कुशल संचालन किया। प्रशिक्षण में वाचस्पति चतुर्वेदी, संघशील बौद्ध, साधना श्रीवास्तव, सत्येन्द्र गुप्ता, विवेकान्त मिश्र,उदयभान, रामकृष्ण चौरसिया, संजय कुमार, सूरज, सुनील तथा ज्योत्स्ना श्रीवास्तव आदि सहित प्रथम बैच के समस्त प्रतिभागियों की सक्रिय उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

सड़क पर मांस बिक्री करने वालों को नगर पंचायत ने दी चेतावनी

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत शोहरतगढ़ ने शिवनगर वार्ड के पीछे स्थित बूचड़मंडी क्षेत्र में सड़क पर मांस की बिक्री और गंदगी फैलाने वाले दुकानदारों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। मंगलवार को नगर पंचायत प्रशासन ने दस मांस विक्रेताओं को नोटिस जारी कर भविष्य में सड़क पर दुकान न लगाने और साफ–सफाई बनाए रखने की चेतावनी दी। बताया गया कि शिवनगर वार्ड के पीछे गड्ढे के पास बूचड़मंडी में दुकानों का आवंटन किया गया है, लेकिन कुछ दुकानदार निर्धारित स्थान छोड़कर सड़क पर ही जानवरों का वध कर खुले में मांस की बिक्री कर रहे थे। इससे आसपास के क्षेत्र में गंदगी फैलने के साथ लोगों को दुर्गंध और आवागमन में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। अधिशासी अधिकारी (ईओ) शिवकुमार के निर्देश पर नन्हे, मेराज, अली हुसैन, अजमत, असगर, रहमत घिसई, मेहताब, सलीम सहित कुल दस दुकानदारों को नोटिस देकर चेतावनी दी गई।

प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में कोई भी दुकानदार सड़क पर दुकान लगाते हुए पाया गया तो उसका दुकान आवंटन निरस्त करने के साथ जुर्माना भी वसूला जाएगा। वहीं, वार्डवासियों का कहना है कि नगर प्रशासन यदि पहले ही प्रभावी कार्रवाई करता तो सड़क पर मांस की बिक्री और गंदगी की स्थिति उत्पन्न नहीं होती। उन्होंने नियमित निगरानी और सख्त कार्रवाई की मांग की। ईओ शिवकुमार ने कहा कि जिन दुकानदारों को निर्धारित दुकानें नहीं मिली हैं, वे पीछे निर्धारित स्थान पर ही दुकान लगाएं। किसी भी हालत में सड़क पर मांस की बिक्री या गंदगी फैलाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रशासन द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

वैज्ञानिकों ने किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। विकासखंड खेसरहा के कोटिया पांडेय गांव में सोमवार को इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईआरआरआई), वाराणसी के वैज्ञानिकों ने धान की फसल का निरीक्षण कर किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। वैज्ञानिकों ने खेतों में पहुंचकर फसल की स्थिति का अवलोकन किया तथा कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने के साथ–साथ मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के उपाय बताए। वैज्ञानिकों ने किसानों को जल संरक्षण, संतुलित पोषक तत्वों के उपयोग और आधुनिक कृषि तकनीकों को प्राकृतिक खेती के साथ जोड़ने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से उत्पादन लागत कम होती है, मिट्टी की गुणवत्ता बेहतर रहती है और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है। किसानों को जैविक पोषक तत्वों एवं प्राकृतिक संसाधनों के प्रभावी उपयोग की विस्तृत जानकारी भी दी गई। इस दौरान जापान से प्रशिक्षित आईआरआरआई के वैज्ञानिक डॉ. अजय अपनी टीम के साथ प्रगतिशील किसान प्रदीप कुमार पांडेय के खेत पहुंचे और धान की फसल का निरीक्षण किया। वैज्ञानिकों ने किसानों की समस्याएं सुनीं, उनके सवालों के जवाब दिए तथा प्राकृतिक खेती के लाभों से अवगत कराया। कार्यक्रम में क्षेत्र के कई किसान मौजूद रहे और वैज्ञानिकों से खेती की नई तकनीकों की जानकारी प्राप्त की।

निजी विद्यालयों के प्रबंधकों ने 11 मांगों को लेकर सीएम के नाम डीएम को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय विद्यालय प्रबंधक संघ के बैनर तले निजी विद्यालयों के प्रबंधको ने विभिन्न समस्याओं एवं मांगों को लेकर मंगलवार को जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री सीएम योगी को संबोधित ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में निजी विद्यालयों के संचालन, प्रबंधन और शिक्षा व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ एवं व्यवहारिक बनाने के लिए 11 प्रमुख मांगें उठाई गईं। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि प्रदेश के लाखों निजी विद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, लेकिन कई व्यावहारिक समस्याओं के कारण विद्यालय संचालकों, शिक्षकों और कर्मचारियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इन समस्याओं के समाधान के लिए शासन स्तर पर आवश्यक निर्णय लिया जाना जरूरी है। ज्ञापन में तीन व पांच वर्षों से नियमित रूप से संचालित विद्यालयों को स्थायी मान्यता देने, यू–डायस कोड प्राप्त विद्यालयों की प्री–प्राइमरी कक्षाओं को जोड़ने तथा प्री–प्राइमरी से कक्षा आठ तक

प्रवेश एवं विवरण दर्ज करने का अधिकार दिए जाने की मांग की गई। इसके अलावा विद्यालय प्रबंधकों एवं शिक्षकों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा, 15 मीटर से कम ऊंचाई वाले विद्यालय भवनों के लिए फायर एनओसी की अनिवार्यता समाप्त करने तथा विद्यालय वाहनों को विशेष श्रेणी में रखकर परिवहन नियमों में व्यवहारिक छूट देने की मांग भी शामिल रही। संघ ने नए विद्यालयों की मान्यता के लिए खेल मैदान एवं 30 फीट सड़क की अनिवार्यता में व्यावहारिक संशोधन, सभी मान्यता प्राप्त विद्यालयों को शीघ्र यू–डायस कोड आवंटित करने, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में हस्ताक्षर सत्यापन प्रक्रिया सरल बनाने तथा विद्यालय प्रबंधकों को प्रधानाचार्य के हस्ताक्षर सत्यापित करने का अधिकार देने की भी मांग की। ज्ञापन में शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के तहत विद्यार्थियों की प्रतिपूर्ति राशि रू450 से बढ़ाकर रू1,500 प्रति माह करने, हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट विद्यालयों की मान्यता से संबंधित पूर्व प्रभावी मानकों को पुनः लागू करने तथा विद्यालयों पर व्यवसायिक के स्थान पर घरेलू विद्युत दर लागू करने के साथ सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापना पर 75 प्रतिशत सब्सिडी दिए जाने की मांग भी प्रमुख रूप से उठाई गई। संघ पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री से मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर आवश्यक शासनादेश जारी किए जाने का अनुरोध किया है। ज्ञापन की प्रतिलिपि माध्यमिक शिक्षा मंत्री, बेसिक शिक्षा मंत्री, प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा, महानिदेशक स्कूल शिक्षा सहित संबंधित अधिकारियों को भी प्रेषित की गई।

गुरु पूर्णिमा पर सार्वजनिक अवकाश की मांग–

राष्ट्रीय विद्यालय प्रबंधक संघ के पदाधिकारियों ने गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किए जाने की मांग उठाई है। इस संबंध में संघ की ओर से जिलाधिकारी के माध्यम से शासन को अनुरोध भेजने की तैयारी की जा रही है। संघ पदाधिकारियों का कहना है कि गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति और शिक्षा परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व है। इस अवसर पर शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं विद्यालय परिवार को गुरु पूजन और विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागी होने का अवसर मिलना चाहिए। इसी उद्देश्य से जिलाधिकारी से सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की अनुमति एवं आवश्यक कार्रवाई किए जाने का अनुरोध किया जाएगा। संघ ने उम्मीद जताई कि प्रशासन इस मांग पर सकारात्मक विचार करते हुए आवश्यक निर्णय लेगा।

खेसरहा पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को किया गिरफ्तार, न्यायालय भेजा

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। थाना खेसरहा पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में वांछित एक आरोपी को मंगलवार को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। आरोपी के विरुद्ध थाना खेसरहा में दर्ज मुकदमे में कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार प्रसाद एवं क्षेत्राधिकारी बाँसी शुबेन्दु सिंह के पर्यवेक्षण तथा थाना प्रभारी अनूप कुमार मिश्र के नेतृत्व में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, थाना खेसरहा पर पंजीकृत मु0अ0सं0 104/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 87, 137(2), 65(1) एवं पॉक्सो एक्ट की धारा 5/6 से संबंधित मामले में वांछित अभियुक्त अजीत पुत्र श्याम कुमार, निवासी महुवारी, थाना रुधौली, जनपद बस्ती को लक्ष्मीगंज चौराहे से गिरफ्तार किया गया।

आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद उसे न्यायालय भेज दिया गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक बीरेन्द्र सिंह यादव (चौकी प्रभारी कुर्थिया) तथा हेड कांस्टेबल अरविन्द यादव शामिल रहे। नोटरू यह गिरफ्तारी पुलिस द्वारा दर्ज मुकदमे के आधार पर की गई है। आरोपों का अंतिम निर्णय न्यायालय द्वारा किया जाएगा।

सम्पादकीय

संस्थाओं में जनता का भरोसा उसकी कार्यशैली, तर्क और विनम्रता से ही आता है, न कि जांच–पड़ताल से बचने की प्रवृत्ति से। न्यायमूर्ति ने अपनी बात कहकर सार्वजनिक विमर्श के लिये इस मुद्दे को रख दिया है। अब देश के विभिन्न पक्षों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र तभी अपनी गरिमा के साथ आगे बढ़ सकता है जब नागरिकों में वैचारिक आजादी की पर्याप्त जगह हो। जब किसी...

असहमति पर अंकुश: न्यायमूर्ति की खरी–खरी

देश में गाहे–बगाहे असहमति के अधिकार और घ्व्यक्तिगत आजादी पर अंकुश लगाने के प्रयासों पर चर्चा होती ही रहती है। अब सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस उज्ज्वल भुइयां के हालिया बयानों ने इस मुद्दे को एक बार फिर सार्वजनिक विमर्श का विषय बनाया है। दरअसल, पिछले हफ्ते भोपाल स्थित नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी में एक व्याख्यान देते हुए उन्होंने उत्तर प्रदेश में चौदह युवाओं की गिरफ्तारी और उन्हें लंबे समय तक हिरासत में रखने के मुद्दे पर तल्ख सवाल उठाए थे। दरअसल, मार्च 2026 में इन युवाओं पर आरोप लगा था कि उन्होंने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा नदी में नाव की सवारी के दौरान इफ्तार के दौरान चिकन बिरयानी खाई थी और बिरयानी के बचे अवशेष नदी में डाल दिए थे। स्थानीय स्तर पर मामले के तूल पकड़ने के बाद इन चौदह युवाओं को गिरफ्तार किया गया था। जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने इस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा था कि गंगा नदी के ऊपर या किनारे चिकन बिरयानी खाना कोई कानूनी अपराध नहीं है। उनका कहना था कि किसी भी कानून में ऐसी गतिविधि पर रोक नहीं है। जस्टिस भुइयां ने इसके साथ ही शांतिपूर्ण असहमति को अपराध की श्रेणी में लाने के बढ़ते चलन पर भी चिंता जताई। दूसरे शब्दों में कहें तो उन्होंने भारतीय लोकतंत्र की सेहत से जुड़े ज्वलंत प्रश्नों को सार्वजनिक बहस का हिस्सा बनाया है। तो सवाल उठता है कि क्या केंद्र सरकार लोगों की निजी पसंद, अभिव्यक्ति की आजादी और विरोध करने के अधिकार पर रोक लगाने में हद से आगे बढ़ रही है? क्या नागरिकों को उन कामों के लिये उनकी आजादी से वंचित किया जा सकता है जो कुछ लोगों की भावनाओं को ठेस तो पहुंचा सकते हैं, लेकिन स्पष्ट रूप से अपराध की श्रेणी में नहीं आते? हाल–फिलहाल के घटनाक्रमों के आलोक में बीस जुलाई को दिल्ली के जंतर–मंतर पर प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाई को देखते हुए, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की राय से असहमत होना मुश्किल ही कहा जाएगा। उनकी राय थी कि असहमति के लिये जगह कम होती जा रही है। दरअसल, हाल के वर्षों में अक्सर देखा गया है कि देश में पर्यावरण कार्यकर्ता, छात्र, विभिन्न संगठन और दूसरे नागरिक जो असहमति जताते हैं, उन्हें अक्सर आपराधिक मामलों का सामना करना पड़ता है। लेकिन सरकार प्रतिरोध के स्वरों की अनसुनी कर देती है। हालांकि,देर–सवेर अदालतें, अक्सर मामले के कानूनी प्रक्रिया में आने के बाद उन्हें राहत दे देती हैं। लेकिन अक्सर जमानत में होने वाली देरी और सख्त शर्तें अपने आप में सजा का ही एक रूप बन सकती हैं। निस्संदेह, इस आलोक में देश की न्यायपालिका को भी, जो संवैधानिक अधिकारों की संरक्षक भी है, अपनी भूमिका की नये सिरे से समीक्षा करनी चाहिए। सिर्फ न्यायिक फैसलों से ही आजादी की रक्षा नहीं की जा सकती। निर्विवाद रूप से प्रक्रिया से जुड़े सुरक्षा उपाय भी मायने रखते हैं क्योंकि प्रक्रिया खुद नागरिकों के जीवन पर असर डालती है। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की न्यायिक जवाबदेही की मांग बहुत सही समय पर सामने आई है। निर्विवाद रूप से आलोचना से अदालतें कमजोर नहीं होती हैं वरन जब उसके फैसलों की खुलकर समीक्षा की जाती है तो वे और मजबूत होती हैं। संस्थाओं में जनता का भरोसा उसकी कार्यशैली, तर्क और विनम्रता से ही आता है, न कि जांच–पड़ताल से बचने की प्रवृत्ति से। न्यायमूर्ति ने अपनी बात कहकर सार्वजनिक विमर्श के लिये इस मुद्दे को रख दिया है। अब देश के विभिन्न पक्षों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र तभी अपनी गरिमा के साथ आगे बढ़ सकता है जब नागरिकों में वैचारिक आजादी की पर्याप्त जगह हो। जब किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिक बेबाकी से अपने हित से जुड़े सवाल पूछ सकें और सत्ता के समक्ष निर्भीक होकर सच बोलने के लिये आजाद हों तो इससे सही अर्थों में लोकतंत्र की मूल भावनी पुष्ट ही होती है। देश के नीति–नियंताओं को भी न्यायमूर्ति के उद्गारों पर चिंतन–मनन करने की जरूरत है।

अब राजनीतिक प्राणी बन गया है कॉकरोच

कॉकरोच और नेता में बुनियादी समानता यह है कि दोनों को निपटाना आसान नहीं। दोनों का सफाया करो तो नेता अगले चुनाव में फिर उग आता है, कॉकरोच अगली रात फिर रसोई में। दोनों प्रजातियां विलुप्त होने के नाम पर सबसे ज्यादा जीवित रहती हैं। हाल में हुए आंदोलन में कॉकरोच का सम्मान बढ़ गया है। कॉकरोच सदियों से बदनाम प्राणी रहा है। रसोई में दिखे तो चप्पल उठती है, बाथरूम में दिखे तो चीख निकलती है। मगर हाल के आंदोलन ने कॉकरोच की छवि बदल दी। अब कॉकरोच सिर्फ कीड़ा नहीं, राजनीतिक प्रतीक है। कॉकरोच और नेता में बुनियादी समानता यह है कि दोनों को निपटाना आसान नहीं। दोनों का सफाया करो तो नेता अगले चुनाव में फिर उग आता है, कॉकरोच अगली रात फिर रसोई में। दोनों प्रजातियां विलुप्त होने के नाम पर सबसे ज्यादा जीवित रहती हैं। परमाणु युद्ध के बाद भी कॉकरोच बचेगा, यह वैज्ञानिक मानते हैं। सत्ता–परिवर्तन के बाद भी नेता बचेगा, यह जनता मानती है। फर्क सिर्फ इतना है कि कॉकरोच को दीवार की दरार चाहिए, नेता को सिर्फ पार्टी बदलने का मौका चाहिए। दोनों दरार खोजने में माहिर हैं। कॉकरोच अंधेरे में सक्रिय होता है, रोशनी पड़ते ही भाग जाता है। नेता भी रात की बैठकों में सक्रिय होता है, कैमरा आते ही मुस्कुराने लगता है। रोशनी दोनों को पसंद नहीं, हां कैमरे की रोशनी अलग चीज है, वह मंच की रोशनी है, उससे कोई नहीं भागता। बर्गर एक ऐसी चीज है जो दो परतों के बीच सब कुछ छुपा देती है। ऊपर से देखो तो सिर्फ बन दिखता है, गोल–मटोल, मासूम। अंदर क्या है, यह खाने वाले को भी पक्का पता नहीं चलता। नेता भी ठीक बर्गर जैसा प्राणी है। ऊपर से भाषण की परत, नीचे वादों की परत, बीच में जो असली माल है वह किसी को नहीं दिखता। बर्गर बहुराष्ट्रीय कंपनी की उपज है, नेता बहुदलीय राजनीति की उपज है। दोनों में असली सामग्री ढूंढना मुश्किल काम है। मेन्यू में लिखा कुछ होता है, प्लेट में मिलता कुछ और है। घोषणापत्र में लिखा कुछ होता है, सरकार में मिलता कुछ और है। बर्गर की कीमत बढ़े तो जनता चुप रहती है, यह सोचकर कि महंगाई है। नेता की कीमत बढ़े यानी चंदा बढ़े तो जनता को पता भी नहीं चलता, यह सोचकर कि लोकतंत्र है। कॉकरोच और नेता, दोनों को हल्के में लेना खतरनाक है। दोनों अनुकूलन के उस्ताद हैं। कीटनाशक बदलो, कॉकरोच नई नस्ल बनाकर लौट आता है। चुनाव चिह्न बदलो, नेता नई पार्टी बनाकर लौट आता है। दोनों को खत्म करने की हर कोशिश उनकी संख्या बढ़ा देती है। कॉकरोच बिना सिर के भी हफ्तों जिंदा रह सकता है, नेता बिना विचारधारा के भी दशकों जिंदा रहता है, बस माइक चाहिए। कॉकरोच को बचने की कला आती है और नेता को भी।

गुस्से व उम्मीद से आंदोलन की कामयाबी

क्या परीक्षा प्रणाली में स्थायी बदलाव आएंगे ? क्या कोचिंग संस्कृति और नौकरी के संकट पर ध्यान दिया जाएगा ? इतिहास बताता है कि छात्र आंदोलन अक्सर त्वरित सफलता पाते हैं, लेकिन दीर्घकालिक सुधारों के लिए निरंतर दबाव जरूरी होता है। यह जीत युवा भारत की ताकत को रेखांकित करती है। जब आकांक्षाएं टूटती हैं, तो गुस्सा संगठित हो जाता है। सीजेपी ने दिखाया कि डिजिटल युग में भी सड़क...

यह जीत युवा भारत की ताकत को रेखांकित करती है। जब आकांक्षाएं टूटती हैं, तो गुस्सा संगठित हो जाता है। सीजेपी ने दिखाया कि डिजिटल युग में भी सड़क और सोशल मीडिया का संयोजन प्रभावी हो सकता है। गत 25 जुलाई को एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम में शिक्षा मंत्री ध र्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया। यह इस्तीफा जंतर–मंतर पर करीब एक महीने से चल रहे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के छात्र आंदोलन के दबाव का सीधा नतीजा था। युवाओं ने जो मांग रखी थी, वह लगभग पूरी तरह स्वीकार कर ली गई। प्रदर्शन समाप्त कर दिए गए। यह घटना स्वतंत्र भारत के छात्र आंदोलनों के इतिहास में एक उल्लेखनीय सफलता के रूप में दर्ज होगी। सीजेपी आंदोलन की शुरुआत साधारण नहीं थी। इसे अमेरिका में रह रहे इंडो–अमेरिकन अभिजीत दीपके ने शुरू किया। बेरोजगार युवाओं को 'कॉकरोच' कहे जाने वाले बयान को उन्होंने व्यंग्य के रूप में अपनाया और सोशल मीडिया के जरिए एक नई भाषा दी। यह डिजिटल व्यंग्य और सड़क पर धरने का मिश्रण था। पारंपरिक छात्र संगठनों से अलग, यह शुरू में गैर–दलीय और आकांक्षा केंद्रित था। एनईईटी–यूजी 2026 के पेपर लीक ने इसे भड़काया था। परीक्षा की अनियमितताओं, छात्र आत्महत्याओं और व्यापक बेरोजगारी ने इसे राष्ट्रीय आंदोलन बना दिया। हालांकि, इस आंदोलन को व्यापक और टिकाऊ बनाने में पारंपरिक छात्र संगठनों की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआईएसए), स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया

(एसएफआई), नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) समेत कई छात्र मोर्चों ने सीजेपी के साथ सक्रिय समर्थन दिया। इन संगठनों ने विभिन्न विश्वविद्यालयों और शहरों में प्रदर्शन, रैलियां और बंद के आह्वान किए। उनकी संगठनात्मक ताकत ने आंदोलन को सिर्फ जंतर–मंतर तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि पूरे देश में फैलाया। इसके अलावा, इंडिया गठबंधन की पार्टियों ने भी लगातार दबाव बनाए रखा। संसद में विपक्षी सदस्यों ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर सत्र बाधित किया। कई नेता जंतर–मंतर पहुंचे। सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब प्रदर्शनकारियों और सांसदों ने प्रधानमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन करने का प्रयास किया। पुलिस की कार्रवाई के दौरान धक्का–मुक्की हुई, जिसमें कई प्रदर्शनकारी घायल हुए। राहुल गांधी सहित कई नेताओं को पुलिस ने हटाया और हिरासत में लिया। इन घटनाओं ने आंदोलन को और तीखा बना दिया तथा सरकार पर दबाव और बढ़ा दिया। लंबे समय तक चुप्पी साधे रखने वाली मोदी सरकार को अंततः जवाब देना पड़ा। छात्र संगठनों व विपक्षी दलों के संयुक्त दबाव ने आंदोलन को साधारण धरने से कहीं आगे बढ़ा दिया। स्वतंत्र भारत में छात्र आंदोलन अक्सर गुस्से और उम्मीद का मिश्रण रहे हैं। 1970 के दशक का जेपी आंदोलन आपातकाल के खिलाफ था और उसने लोकतंत्र की बहाली में भूमिका निभाई। 2011 का अन्ना हजारे का भारत भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन मध्यम वर्ग को सड़कों पर लाया और राजनीतिक परिदृश्य बदलने में सफल रहा। मंडल आंदोलन ने सामाजिक न्याय की दिशा बदली। इन आंदोलनों की तुलना में सीजेपी की सफलता ज्यादा तेज और ठोस दिखता है। प्रधान का इस्तीफा एक स्पष्ट और त्वरित नतीजा है। दुनिया भर में परीक्षा लीक की घटनाएं बार–बार होती रही हैं। चीन, मिस्र, बांग्लादेश और अमेरिका में भी ऐसे घोटाले सामने आए। लेकिन भारत में पैमाना बहुत बड़ा था। करोड़ों छात्रों के भविष्य पर असर पड़ा। सीजेपी ने इन लीक को युवा बेरोजगारी से जोड़कर देखा। ग्रेजुएट्स में लगभग 40 प्रतिशत को उपयुक्त नौकरी नहीं मिल पाती। यही वजह थी कि आंदोलन सिर्फ परीक्षा सुधार तक सीमित नहीं रहा। वैश्विक तुलना भी दिलचस्प है। बांग्लादेश के 2024 के छात्र आंदोलन ने कोटा व्यवस्था के खिलाफ शुरू होकर सरकार बदल दी। चिली के 2011 छात्र आंदोलन ने शिक्षा सुधारों को मजबूर किया। हांगकांग के 2019 आंदोलन में युवाओं ने डिजिटल रणनीति अपनाई। सीजेपी ने इन सबकी कुछ खूबियों को अपनाया कृ व्यंग्य, सोशल मीडिया और निरंतर दबाव। लेकिन भारत के लोकतांत्रिक ढांचे में यह दबाव ज्यादा प्रभावी साबित हुआ। अब सवाल यह है कि आगे क्या? सरकार ने कुछ मांगें स्वीकार की हैं कृ मुआवजा, मामलों की वापसी और सुधारों का वादा। लेकिन असली परीक्षा अभी बाकी है। क्या परीक्षा प्रणाली में स्थायी बदलाव आएंगे? क्या कोचिंग संस्कृति और नौकरी के संकट पर ध्यान दिया जाएगा? इतिहास बताता है कि छात्र आंदोलन अक्सर त्वरित सफलता पाते हैं, लेकिन दीर्घकालिक सुधारों के लिए निरंतर दबाव जरूरी होता है। यह जीत युवा भारत की ताकत को रेखांकित करती है। जब आकांक्षाएं टूटती हैं, तो गुस्सा संगठित हो जाता है। सीजेपी ने दिखाया कि डिजिटल युग में भी सड़क और सोशल मीडिया का संयोजन प्रभावी हो सकता है। साथ ही, पारंपरिक छात्र संगठनों और विपक्षी दलों के सक्रिय सहयोग ने इसे और मजबूत बनाया। यह आंदोलन सिर्फ एक मंत्री के इस्तीफे की कहानी नहीं है। यह शासन की जवाबदेही, मेरिट की रक्षा और युवाओं के सपनों की रक्षा की कहानी है

डेंगू वैक्सीन को मंजूरी से आगे की राह

देश को यह तय करना होगा कि वैक्सीन का उपयोग कैसे किया जाना चाहिए। एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम न तो किफायती हो सकता है और न ही महामारी की परिभाषा के हिसाब से एक आवश्यकता है। डेंगू का खतरा असमान है और अक्सर कुछ खास शहरों, जिलों और राज्यों में इसका प्रकोप होता है। उच्च संक्रमण दर वाले इलाकों में निगरानी आधारित चरणबद्ध शुरुआत करना समझदारी होगी...

भारत में तेजी से फैलते डेंगू की वैक्सीन, श्क्यूडेंगाश् को मंजूरी मिलना इस संक्रामक रोग की रोकथाम की दिशा में बड़ा कदम है। लेकिन अगर वैक्सीन महंगी रहती है, सही लोगों तक नहीं पहुंचती या आसानी से उपलब्ध नहीं होती तो इसका असर सीमित हो सकता है। वैक्सीनेशन के साथ बेहतर निगरानी, मच्छर नियंत्रण और जागरूकता भी जरूरी है। एक समय था जब मलेरिया मच्छरों से फैलने वाली वह बीमारी थी जिससे ज़्यादातर भारतीय डरते थे। इसके विपरीत डेंगू को कम प्रचलित और कम खतरनाक माना जाता था। वह स्थिति अब नाटकीय रूप से उलट गई। पिछले दो दशकों में, डेंगू भारत और दूसरी जगहों पर तेजी से फैला। अब यह बुखार होने, अस्पताल में भर्ती होने की नौबत आने और मौत तक का जाना–पहचाना कारण है, खासकर मॉनसून में और उसके बाद। फिर भी, मलेरिया के उलट – जिसके लिए असरदार दवाएं हैं – डेंगू का कोई खास एंटीवायरल इलाज नहीं है। डेंगू की वैक्सीन विकसित करना मुश्किल साबित हुआ है। कई वैक्सीन आईं, लेकिन हरेक के साथ वैज्ञानिक, सुरक्षा या क्रियान्वयन की चुनौतियां रहीं। इस परिदृश्य में, भारत के दवा नियामक संस्थान द्वारा टाकेडा संस्थान की डेंगू वैक्सीन, श्क्यूडेंगाश् को मंजूरी देना स्वागत योग्य कदम है। भारत को एक ऐसी बीमारी के खिलाफ एक अन्य हथियार की जरूरत है, जो अब सिर्फ मौसमी नहीं रही। डेंगू तेजी से शहरी इलाकों में फैल रहा है, बार–बार हो रहा है और इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। हालांकि, इस मंजूरी को जनस्वास्थ्य की सफलता नहीं समझना चाहिए। कोई वैक्सीन असरदार हो सकती है, लेकिन अगर वह महंगी हो, सही लोगों तक न पहुंचे या आसानी से उपलब्ध न हो, तो उसका असर सीमित हो सकता है। बाजार में उतारने की मंजूरी मिलने के बावजूद, यह वैक्सीन देश में अगले छह माह तक उपलब्ध नहीं। पहली खेप 2027 की शुरुआत में आने की उम्मीद है। अनुमान है

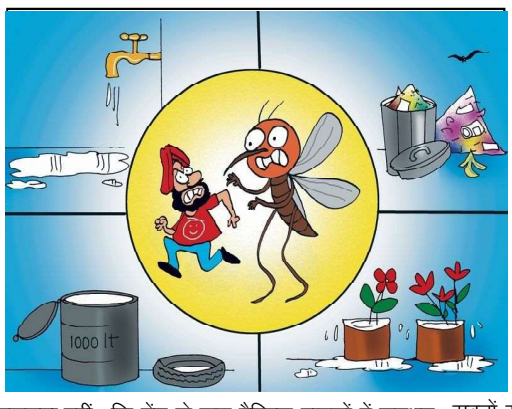

कि डेंगू के कुल वैश्विक मामलों में लगभग एक–तिहाई भारत में होते हैं। पिछले दो दशकों में दर्ज किए गए संक्रमणों की संख्या ग्यारह गुणा से ज़्यादा बढ़ गई है। आधिकारिक तौर पर, भारत में 2025 में लगभग 1.2 लाख मामले और 131 मौतें दर्ज की गईं। ये आंकड़े बीमारी के असल बोझ को कम दिखाते हैं। कई संक्रमणों की जांच नहीं होती, कई मरीजों का इलाज दर्ज नहीं होता है, और कुछ मौतों की वजह आघात,रक्त स्राव जैसी जटिलताएं मान ली जाती हैं। 2026 के निगरानी आंकड़े पहले ही बताते हैं कि मुख्य मॉनसून सीजन शुरू होने से पूर्व ही प्रसार बढ़ने लगा है। डेंगू वैक्सीन का इतिहास बताता है कि सावधानी क्यों जरूरी है। सनोफी संस्थान द्वारा विकसित श्डेंगवैक्सियाश् को शुरू में बड़ी कामयाबी माना गया था। बाद में पता चला कि जिन लोगों को कभी डेंगू नहीं हुआ था, उन्हें वैक्सीन लगने के बाद संक्रमित होने पर बीमारी बिगड़ जाने का खतरा ज्यादा बन सकता है। इस स्थिति को श्एंटीबॉडी–डिपेंडेंट एन्हांसमेंटश् कहा जाता है। इस वजह से वैक्सीन लगाने से पहले जांच जरूरी हो गई और इसे लागू करना मुश्किल। फिलीपींस में हुए विवाद ने भरोसा कम कर दिया। सबक यह नहीं कि डेंगू वैक्सीन खारिज कर दी जाए, बल्कि यह कि डेंगू की जैविकी जटिल है और सबूतों से पूर्व उत्साह नहीं बनाना चाहिए। क्युडेंगा लेकिन अलग है। यह एक टेट्रावेलेंट लाइव–एटेन्यूएटेड वैक्सीन है जो कमजोर डीईएनवी–2 बैकबोन पर आधारित है, जिसमें अन्य तीन डेंगू सीरोटाइप का जेनेटिक मैटीरियल शामिल है। भारत ने इसे चार से साठ साल की उम्र के लोगों के लिए मंजूरी दी है। तीन महीने के अंतराल पर दो डोज में दी जाती है, जिसमें यह सत्यापन करने की जरूरत नहीं कि व्यक्ति को पहले कभी डेंगू हुआ है या नहीं। परीक्षणों में डेंगू के सत्यापित मामलों में एक साल में इसकी प्रभावशीलता करीब 80 फीसदी रही और कुछ विश्लेषणों में, 18 महीने में अस्पताल में भर्ती होने की नौबत के मामलों में 90 प्रतिशत से ज़्यादा की कमी आई। ये आंकड़े उत्साहजनक हैं, लेकिन इन्हें सावधानी से समझने की जरूरत है। तमाम संक्रमणों की तुलना में अस्पताल में भर्ती होने से बचाव होता ज़्यादा मजबूत दिखाई देता है, जो एक बड़ा फायदा है। हालांकि, समय के साथ असर कम हो जाता है, और कुछ आबादी में डीईएनवी–3 और डीईएनवी–4 के लिए सबूत कमजोर या कम निश्चित रहे हैं। भारत में बाजार में इसकी उपलब्धता के बाद अलग–अलग उम्र के लोगों, इलाकों और फैल रहे सीरोटाइप के बीच निगरानी, पारदर्शी सूचना और स्थानीय स्टडीज की जरूरत होगी। क्यूडेंगा को 40 से अधिक देशों में विश्व स्वास्थ्य संगठन की पूर्व योग्यता और अनुमोदन प्राप्त हुआ है। हैदराबाद ि स् थ त बायोलॉजिकल–ई के साथ हुई टाकेडा की साझेदारी से भारत में सालाना 5 करोड़ खुराक तक की उत्पादन क्षमता बनने की उम्मीद है, जो 2030 तक प्रति वर्ष 10 करोड़ खुराक के वैश्विक लक्ष्य में योगदान देगा। यह भारत को एक मुख्य उत्पादन केंद्र बना सकता है। फिर भी मंजूरी तो केवल शुरुआत है। किसी गोदाम, निजी क्लिनिक या सरकारी अधिसूचना में रखी वैक्सीन तब तक किसी बीमारी को नहीं रोकती जब तक यह जरूरतमंद लोगों तक न पहुंच पाए। मूल्य संबंधी सौदेबाजी, खरीद, कोल्ड–चेन व्यवस्था, स्वास्थ्य–कार्यकर्ता प्रशिक्षण, सार्वजनिक संचार और सरकारी योजना तय करेगी कि क्यूडेंगा एक सार्वजनिक स्वास्थ्य कवच बन जाएगी या नहीं।

राष्ट्रमंडल खेलों में शर्मिला धनकर ने जीता ऐतिहासिक स्वर्ण पदक, शिल्पा शायला को मिला कांस्य

ग्लास्गो। दो वर्ष की उम्र में पोलियो का शिकार हुई और शादी के बाद लगातार अपमान के सदमे से उबरकर शर्मिला ध नकर राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत की पहली पैरा एथलीट बन गई जिन्होंनेमहिला शॉट पुट एफ57 स्पर्धा में पहला स्थान हासिल किया। चालीस वर्षीय शर्मिला ने 9.81 मीटर का सत्र का सर्वश्रेष्ठ थ्रो लगाकर स्वर्ण पदक जीता और राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के पैरा एथलेटिक्स पदक के 20 साल के इंतजार को खत्म किया। इस स्पर्धा में एक और भारतीय खिलाड़ी शिल्पा शायला को विवाद के बाद कांस्य पदक प्रदान किया गया। इतिहास

शिल्पा ने 7.26 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया था। शुरुआत में नाइजीरिया की यूचेरिया इयियाजी कांस्य पदक की स्थिति में थीं, लेकिन भारतीय दल की आपत्ति और आधिकारिक समीक्षा के बाद उनके एकमात्र वैध प्रयास को फाउल करार दिया गया। इसके बाद चौथे स्थान पर रहीं शिल्पा शायला को कांस्य पदक मिल गया।

नाइजीरिया की ओर से हालांकि इस फैसले के खिलाफ आपत्ति दर्ज किए जाने की संभावना है। पदक में बदलाव की घोषणा के बाद भावुक शिल्पा ने शर्मिला के साथ जश्न मनाया। इस तरह भारत ने इस स्पर्धा में दो पदक हासिल किए।

एफ57 वर्ग उन खिलाड़ियों के लिए होता है जिनके निचले अंगों में अक्षमता, अंगों की कमी या मांसपेशियों की ताकत में कमी होती है। शर्मिला का यह पदक उनके बेहतरीन खेल ही नहीं बल्कि अप्रतिम साहस की भी कहानी बताता है। हरियाणा के छितरोली की रहने वाली शर्मिला दो वर्ष की थी जब पोलियो के कारण उनके बायें पैर में विकार आ गया था।

भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा साझा किये गए परिचय के अनुसार शर्मिला का विवाह जल्दी हो गया था और उनके पति का बर्ताव बेहद खराब था। अपने परिवार के सहयोग से वह जीवन को फिर ढर्रे पर ला सकी। उन्होंने रेवाड़ी के व्यवसायी अजित सिंह से दोबारा विवाह किया और उनके दो बच्चे हैं।

अजित ने ही उन्हें 2020 में कोच टेक चंद के मार्गदर्शन में पैरा एथलेटिक्स में कैरियर बनाने के लिये प्रेरित किया। एक साल के भीतर उन्होंने राष्ट्रीय चौम्पियनशिप जीती और शॉट पुट तथा चक्का फेंक में भारत की शीर्ष पैरा एथलीट बनी। इस साल उन्होंने फाजा इंटरनेशनल पैरा एथलेटिक्स चौम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।

वह बर्मिंघम खेलों में चौथे स्थान पर रही थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई देते हुए एक्स पर लिखा ,'' ग्लास्गो में इतिहास रचा गया। शर्मिला को महिलाओं की शॉट पुट एफ57 स्पर्धा में बहुत ही खास स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई।

उनके शानदार प्रदर्शन से राष्ट्रमंडल की पैरा एथलेटिक्स स्पर्धा में भारत का बीस साल का इंतजर खत्म हुआ।'' उन्होंने आगे लिखा ,''भविष्य के लिये उन्हें मेरी शुभकामनायें।'' खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने लिखा ,'' ग्लास्गो में ऐतिहासिक स्वर्ण। शर्मिला ने महिलाओं की शॉट पुट एफ 57 में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह पैरा एथलेटिक्स में राष्ट्रमंडल खेलों का स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय बनी।

उनके जीवट और जुझारूपन ने विश्व स्तर पर भारत को गौरवान्वित किया है।

जस्टिन ग्रीव्स ने टेस्ट क्रिकेट में रचा इतिहास, 5 विकेट–मेडन ओवर का बनाया विश्व रिकॉर्ड

त्रिनिदाद में पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में जस्टिन ग्रीव्स लगातार पांच विकेट–मेडन ओवर फेंकने वाले

पहले गेंदबाज बन गए। वेस्टइंडीज के इस ऑलराउंडर ने वह कारनामा कर दिखाया है जो टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में किसी और खिलाड़ी ने नहीं किया है। उनकी यह उपलब्धि इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के उस रिकॉर्ड से बेहतर है, जिन्होंने जनवरी 2016 में जोहान्सबर्ग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार चार विकेट–मेडन ओवर फेंके थे। दिन के खेल के आखिर तक, वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को पहली पारी में 282 रनों पर रोकने के बाद 155 रनों की बढ़त बना ली थी। तारोबा के ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में तीसरे दिन पाकिस्तान ने मजबूत शुरुआत की। हालाँकि, 31 साल के ग्रीव्स ने मैच का रुखध बदल दिया और 11 ओवर में 5/27 के अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ आँकड़े हासिल किएय उन्होंने लगातार पाँच मेडन ओवरों में पाँचों विकेट लिए। शान मसूद की सेंचुरी की बदौलत पाकिस्तान 158/2 के स्कोर पर मजबूत स्थिति में था। लेकिन दिन के दूसरे हिस्से में पारी का रुखध पूरी तरह से बदल गया। ग्रीव्स ने 64वें ओवर में सबसे पहले मसूद को बोल्ड किया और फिर अगले चार ओवरों में आमिर जमाल, अली उस्मान, मोहम्मद रिजवान और मोहम्मद अब्बास को आउट किया। दिन का खेल खत्म होने के बाद, ग्रीव्स ने अपनी इस कामयाबी का श्रेय एक आसान सी रणनीति को दिया। उन्होंने कहा कि वे कप्तान रोस्टन चेस के निर्देशों पर ही चले।

उन्होंने कहा कि जब मैं गेंदबाजी करने आया, तो कप्तान रोस्टन चेस ने बस इतना कहा कि श्जो तुम कर रहे हो, उसमें अनुशासन बनाए रखोश और कोशिश करो कि टीम के लिए कुछ विकेट ले सकूं। गेंद अच्छी तरह से स्विंग हो रही थी और मुझे उसका फायदा भी मिला। जब भी मेरे हाथ में गेंद होती है, तो टीम मुझसे उम्मीद करती है कि मैं एक भरोसेमंद खिलाड़ी के तौर पर मुश्किल हालात से उन्हें बाहर निकालूं। उन्होंने आगे कहा कि लगातार पांच विकेट लेने के बाद वे बहुत खुश थे, लेकिन उन्हें लगता है कि अभी और भी बहुत कुछ हासिल करना बाकी है।

आंदोलन संस्थापक के छोटे भाई को पाकिस्तानी सेना ने मारी गोली, हालात बेकाबू? शहबाज के हाथ से निकल रहा PoJK

अवामी हुकूक लॉन्ग मार्च से जुड़े चश्मदीदों का दावा है कि सोमवार शाम रावलकोट में प्रदर्शनकारियों पर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की कथित गोलीबारी में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और लगभग दो दर्जन अन्य घायल हो गए। जारी किए गए एक वीडियो में, जॉइंट अवामी एक्शन कमिटी के मुख्य सदस्य इम्तियाज असलम ने बताया कि विरोध प्रदर्शन का काफिला चिनार चौक पहुँच गया था और रावलकोट में मकबूल भट्ट शहीद चौक पर रात भर रुकने से पहले क–चौक की ओर बढ़ रहा था। असलम ने कहा आज पाकिस्तान की सेना ने हमारे बेगुनाह युवाओं पर गोलीबारी की। इसके नतीजतन, हमारे 14 युवा शहीद हो गए हैं। इनमें आंदोलन के संस्थापक उमर नजीर कश्मीरी के छोटे भाई उस्मान नजीर भी शामिल हैं। अन्य मृतकों में खैगाला, कोटली शहर, टट्टापानी, बंजा–बासपुर, छोटा गाला और हवेली का एक–एक साथी शामिल है।

कुल मिलाकर 14 लोग मारे गए हैं, जिनमें हमारे दो बलूच साथी भी शामिल हैं। लगभग दो दर्जन अन्य लोग घायल हैं। उन्होंने विदेशों में रहने वाले कश्मीरियों से इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने की अपील की और आरोप लगाया कि अधिकारी प्रदर्शनकारियों पर अत्याचार कर रहे हैं। हम आगे

बढ़ रहे हैं। मैं विदेशों में रहने वाले कश्मीरियों से अपील करता हूंकि वे इन अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाएं। राज्य घबराहट की स्थिति में है और नरसंहार पर उतर आया है। उन्होंने कहा कि कृपया पाकिस्तानी दूतावासों और संयुक्त राष्ट जैसे अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों के सामने विरोध प्रदर्शन करें। श्लॉन्ग मार्चश में शामिल लोगों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए रैलियां आयोजित करें।

असलम ने मीरपुर और मुजफ्फराबाद डिवीजनों के लोगों से भी प्रदर्शनकारियों के समर्थन में प्रदर्शन करने का आग्रह किया। उन्होंने दावा किया कि इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बंद कर दी गई हैं, जिससे बातचीत करना मुश्किल हो गया है। ट्रांसपोर्ट की दिक्कतों की वजह से, हम अगले कुछ दिनों तक पैदल मार्च करेंगे। खुदा ने चाहा तो तीन–चार दिनों में हम शहीदों और ताकत के शहर, मुजफ्फराबाद पहुँच जाएँगे। उन्होंने आगे कहा कि आज रात श्अवामी हुकूक लॉन्ग मार्चश अपना पहला पड़ाव मकबूल भट्ट शहीद चौक पर करेगा। एक और चश्मदीद ने बताया कि प्रदर्शनकारी सफेद झंडे लेकर रावलकोट के चांदनी चौक पहुँचे और जोर देकर कहा कि यह आंदोलन शांतिपूर्ण रहा। हमारे युवा अल्लाहु अकबर के नारे लगाते हुए रावलकोट के चांदनी चौक पहुँच गए हैं। अल्हम्दुलिल्लाह! अल्लाह की मेहरबानी और रहमत से हम यहाँ पहुँच गए हैं। कई लोग शहीद हो चुके हैं, और इन निर्दयी लोगों ने हमारा बहुत खून बहाया है। फिर भी, मैं मंच से की जा रही उन घोषणाओं को सलाम करता हूँ जिनमें सेना से पीछे हटने का अनुरोध किया जा रहा है। हम शांतिप्रिय लोग हैं, सफेद झंडे लिए हुए हैं। कृपया पीछे हटेंय हमारा आपसे कोई झगड़ा नहीं है।

ताइपे ओपन क्वालीफायर में भारतीय खिलाड़ियों का निराशाजनक प्रदर्शन, केवल रौनक चौहान अगले दौर में पहुंचे

ताइपे सिटी (ताइवान), । भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन ताइपे ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वालीफायर में निराशाजनक रहा तथा मंगलवार को यहां केवल रौनक चौहान ही पुरुष एकल क्वालीफाइंग राउंड के दूसरे दौर में पहुंच पाए। क्वालीफायर में दूसरी वरीयता प्राप्त चौहान ने कनाडा के जोशुआ गुयेन को 21–15, 21–11 से हराया। उनका अगला मुकाबला चीनी ताइपे के कुआन लिन कुओ से होगा। रौनक को छोड़कर पुरुष एकल क्वालीफायर में भाग लेने वाले अन्य सभी भारतीय खिलाड़ी पहले दौर में ही बाहर हो गए। रित्विक संजीव जापान के क्वालीफायर में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी रिकी ताकेई से 10–21, 11–21 से, जबकि शंकर सुब्रमण्यम अमेरिका के गैरेट टैन से 17–21, 10–21 से हार गए। तुषार सुवीर ने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन आखिर में उन्हें चीनी ताइपे के कुआन लिन कुओ से 19–21, 21–16, 12–21 से हार का सामना करना पड़ा। महिला एकल क्वालीफायर में भाग ले रही एकमात्र भारतीय खिलाड़ी चौथी वरीयता प्राप्त आकर्षी कश्यप भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई और मलेशिया की किसोना सेल्वादुरे से 15–21, 19–21 से हार गईं। अच्युतादित्य राव डोड्डावरपु और अर्जुन रेड्डी पोचाना की भारतीय जोड़ी भी पुरुष युगल क्वालीफाइंग दौर में चीनी ताइपे की जोड़ी चेन बो युआन और लू मिंग चे से 5–21, 8–21 से हार गई।

जापान भूकंप एर्लट 7.1 तीव्रता के भूकंप से दहला दक्षिणी जापान, जेएमए ने जारी की सुनामी की चेतावनी

जापान के दक्षिणी हिस्से में 7.1 तीव्रता का भूकंप आने के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार, भूकंप की तीव्रता जापान के शिंडोश स्केल (झटकों को मापने का पैमाना) पर अधिकतम सात के स्तर पर मापी गई। जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे नुकसान की स्थिति का जल्द से जल्द आकलन करें। सरकार ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया है कि वे इंसानी जान को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दें और आपातकालीन आपदा राहत कार्यों में कोई कसर न छोड़ें। जापान सरकार ने कुमामोटो, नागासाकी,

कागोशिमा, फुकुओका, सागा, ओइता और मियाजाकी प्रांतों के लिए भूकंप की इमरजेंसी चेतावनी जारी कीय ये सभी जापान के दक्षिणी क्यूशू द्वीप पर स्थित हैं।

एक हफ्ते में दूसरा भूकंप

25 जून को उत्तरी जापान में 7.2 तीव्रता का भूकंप आया था, लेकिन इससे किसी की मौत नहीं हुई और न ही कोई बड़ा नुकसान हुआ। जापान दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप–संभावित देशों में से एक है, क्योंकि यह प्रशांत महासागर के षरिंग ऑफ फायरध के पश्चिमी किनारे पर चार बड़ी टेक्टोनिक प्लेटों के ऊपर स्थित है। लगभग 12.5 करोड़ लोगों की आबादी वाले इस द्वीप समूह में हर साल सैकड़ों झटके महसूस किए जाते हैं और दुनिया के कुल भूकंपों में से लगभग 18 प्रतिशत यहीं आते हैं। इनमें से ज़्यादातर भूकंप हल्के होते हैं, हालाँकि इनसे होने वाला नुकसान उनकी जगह और जमीन की सतह के नीचे उनकी गहराई पर निर्भर करता है। यहाँ के लोगों के मन में 2011 में आए समुद्र के नीचे 9. 0 तीव्रता वाले जबरदस्त भूकंप की यादें आज भी ताजा हैंय उस भूकंप के कारण आई सुनामी में लगभग 18,500 लोग मारे गए या लापता हो गए और फुकुशिमा न्यूक्लियर प्लांट तबाह हो गया।

सर्वेश कुशारे ने रचा इतिहास, राष्ट्रमंडल खेलों में ऊंची कूद में रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने

ग्लास्गो। राष्ट्रीय रिकॉर्ड ध ारक सर्वेश कुशारे ने पुरुषों की ऊंची कूद स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बन कर सोमवार को राष्ट्रमंडल खेलों में इतिहास रच दिया हालांकि वह मामूली अंतर से स्वर्ण पदक से चूक गए। कुशारे ने 2.25 मीटर की ऊंचाई पार कर दूसरा स्थान हासिल किया। जमैका के रोमेन बेकफोर्ड ने स्वर्ण पदक जीता।

दोनों खिलाड़ी 2.25 मीटर के बाद 2.28 मीटर पार करने में असफल रहे, लेकिन काउंटबैक नियम के आधार पर बेकफोर्ड को विजेता घोषित किया गया। इंग्लैंड के जैक किमानी ने 2.20 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता। अन्य भारतीय खिलाड़ी आदर्श राम 2.15 मीटर की छलांग के साथ पांचवें स्थान पर रहे।

इससे पहले राष्ट्रमंडल खेलों में ऊंची कूद में भारत का एकमात्र पदक तेजस्विन शंकर ने 2022 बर्मिंघम खेलों में कांस्य पदक के रूप में जीता था लेकिन 31 वर्षीय कुशारे ने रजत पदक जीतकर उस उपलब्धि को पीछे छोड़ दिया। तेजस्विन ने भी सोमवार को स्पर्धा में हिस्सा लिया, लेकिन बृहस्पतिवार से शुरू होने वाली पुरुषों की डेकाथलॉन स्पर्धा की तैयारी को देखते हुए उन्होंने 2.05 मीटर के पहले प्रयास में असफल रहने के बाद हटने का फैसला किया। 27 वर्षीय तेजस्विन का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2.29 मीटर है और पिछले दो वर्षों में उन्होंने डेकाथलॉन पर ध्यान केंद्रित करने के कारण व्यक्तिगत ऊंची कूद प्रतियोगिताओं में ज्यादा हिस्सा नहीं लिया है। महाराष्ट्र के नाशिक जिले के देवरगांव के रहने वाले कुशारे के पिता प्याज की खेती करते हैं। वह अपने पिता और बचपन के कोच के बनाए मक्के के छिलके, कपास और खेती के कचरे से बने कामचलाऊ लैंडिंग पिट का इस्तेमाल करके ऊंची कूद का अभ्यास करते थे। उन्होंने जीत के बाद कहा ,'' यह मेरा पहला पदक है।

एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों के प्रदर्शन से ओलंपिक की तैयारी में मदद मिलती है। मैं ओलंपिक पदक जीतना चाहता हूं और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा।'' उन्होंने कहा ,'' एशियाई खेलों में मेरा लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना है।'' तेजस्विन से मिलने वाले टिप्स के बारे में उन्होंने कहा ,'' खिलाड़ी को उस भूमिका में रहने दें। वह अच्छा खिलाड़ी है।

हम आगे भी प्रतिस्पर्धा करके अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे।'' कुशारे इस महीने दोहा डायमंड लीग में पोडियम पर रहने वाले भारत के पहले ऊंची कूद के खिलाड़ी बने थे। उन्होंने मोनाको चरण में तीसरा स्थान हासिल किया था। डायमंड लीग में पोडियम पर रहने वाले वह चौथे भारतीय बने थे।

उनसे पहले भालाफेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा (2022 से 13 बार), लंबी कूद में मुरली श्रीशंकर (2023) और पूर्व चक्काफेंक खिलाड़ी विकास गौड़ा (2015) यह कमाल कर चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुशारे को इस प्रदर्शन के लिये बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर लिखा ,'' राष्ट्रमंडल खेल 2026 में सर्वेश कुशारे को शानदार रजत पदक। उनकी प्रतिबद्धता और निरंतरता उल्लेखनीय है। इस असाधारण उपलब्धि के लिये उन्हें बधाई। भारत को उन पर गर्व है।

भविष्य के लिये शुभकामनायें।'' खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने एक्स पर लिखा ,'' सर्वेश कुशारे को ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुषों की ऊंची कूद में रजत पदक जीतने पर बधाई। इस शानदार प्रदर्शन पर पूरे देश को गर्व है।

श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह पर आयातित वाहनों के जमावड़े के बीच ऑपरेटर ने निकासी तेज करने पर दिया जोर

कोलंबो, 28 जुलाई चीन को पट्टे पर दिए गए श्रीलंका के हंबनटोटा अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह ने आयातित वाहनों के लंबे समय से वहीं खड़े रहने की खबरों के बीच स्पष्ट किया है कि उसकी प्राथमिकता माल की शीघ्र निकासी सुनिश्चित करना और भंडारण अवधि को कम रखना है, ताकि बंदरगाह माल को उतारने और फिर चढ़ाने के(रो–रो) के क्षेत्रीय पारगमन केंद्र के रूप में अपनी स्थिति बरकरार रख सके। इस प्रमुख पारगमन केंद्र का संचालन करने वाले हंबनटोटा इंटरनेशनल पोर्ट ग्रुप (एचआईपीजी) ने सोमवार को यह स्पष्टीकरण उन खबरों के बाद जारी किया, जिनमें दावा किया गया था कि आयातकों द्वारा आवश्यक दस्तावेज औपचारिकताएं पूरी नहीं किए जाने और बंदरगाह शुल्क का भुगतान नहीं करने के कारण 1,000 से अधिक आयातित वाहन बंदरगाह पर ही खड़े हैं। एचआईपीजी ने एक विज्ञप्ति में कहा, "बंदरगाह वहां पहुंचने वाले माल को तेजी से निकालने और उन्हें आगे भेजने का काम करते हैं न कि वाहनों को लंबे समय तक खड़ा रखने के लिए। कोई भी वाहन यदि महीनों या वर्षों तक बंदरगाह पर खड़ा रहता है, तो वह नए माल की निकासी और उसके प्रबंधन के लिए आवश्यक बहुमूल्य परिचालन स्थान घेर लेता है। इससे श्रीलंका के तेजी से बढ़ते वाहन आयात और उन्हें आगे भेजने की व्यवस्था भी प्रभावित होती है।" कंपनी ने कहा कि वह माल की त्वरित निकासी सुनिश्चित करने और भंडारण अवधि कम करने पर विशेष ध्यान दे रही है, ताकि यह सुविधा क्षेत्रीय रो–रो पारगमन केंद्र के रूप में प्रभावी ढंग से कार्य करती रहे। रो–रो पारगमन केंद्र वह विशेष बंदरगाह सुविधा होती है, जहां वाहन और पहियों वाले अन्य माल को क्रेन के बजाय सीधे चलाकर जहाज से उतारा जाता है, अस्थायी रूप से रखा या छांटा जाता है और फिर दूसरे जहाज अथवा परिवहन के अन्य साधन पर चढ़ा दिया जाता है। एचआईपीजी ने बताया कि वर्तमान में बंदरगाह पर पारगमन माल और घरेलू बाजार के लिए आयातित वाहनों सहित 50,000 से अधिक वाहनों का प्रबंधन किया जा रहा है। हालांकि, मीडिया खबरों में दावा किया गया था कि पारगमन के लिए निर्धारित 40,000 वाहनों के अतिरिक्त 1,000 से अधिक आयातित वाहन ऐसे ही बंदरगाह पर खड़े हैं। इस पर कंपनी ने कहा कि केवल 1,278 वाहन ऐसे हैं, जो तीन महीने से अधिक समय से बंदरगाह पर हैं, जबकि 581 वाहन एक वर्ष से अधिक समय से वहां खड़े हैं।

आमजन की सुविधाओं को बेहतर बना रही भाजपा सरकार: सतीश

बाराबंकी। दरियाबाद विध ानसभा क्षेत्र के लोगों को शनिवार को आवागमन की नई सुविधा मिली। उत्तर प्रदेश सरकार के खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति राज्यमंत्री और क्षेत्रीय विध ायक सतीश चंद्र शर्मा ने भिटरिया–हैदरगढ़ संपर्क मार्ग पर भीखरपुर गांव के पास नवनिर्मित लघु सेतु का लोकार्पण किया। इस मार्ग पर पहले बना पुल संकरा था, जिससे लंबे समय से यातायात बाधित होता था। सड़क चौड़ीकरण के बावजूद पुल की कम चौड़ाई के कारण बड़े वाहनों की आवाजाही प्रभावित होती थी। पुल के पास तीव्र मोड़ और घने कोहरे में कम दृश्यता के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता था। अक्सर दो बड़े वाहनों के एक साथ न निकल पाने से जाम की स्थिति भी उत्पन्न हो जाती थी। राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने बताया कि क्षेत्रीय जनता की मांग और यातायात संबंधी समस्याओं को देखते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष नए लघु सेतु के निर्माण का प्रस्ताव रखा था। शासन से स्वीकृति मिलने के बाद निर्माण कार्य पूरा हुआ और अब इसे जनता को समर्पित कर दिया गया है। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में सड़क, पुल और अन्य आधारभूत सुविधाओं का तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार का उद्देश्य गांव–गांव तक बेहतर संपर्क व्यवस्था उपलब्ध कराकर लोगों का जीवन सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक बनाना है। उन्होंने यह भी कहा कि भीखरपुर लघु सेतु के शुरू होने से हजारों ग्रामीणों, किसानों, विद्यार्थियों और व्यापारियों को सीधा लाभ मिलेगा। इससे भिटरिया–हैदरगढ़ मार्ग पर यातायात अधिक सुरक्षित और सुचारु होगा, जिससे दुर्घटनाओं और जाम की समस्या में कमी आएगी। लोकार्पण समारोह में भाजपा जिला मंत्री रूपेश प्रताप सिंह 'लकी', जगत बहादुर सिंह, सुरेंद्र मिश्रा, विवेक तिवारी, जवाहर वर्मा, अभिषेक वर्मा, प्रदीप सिंह, शिवमोहन वर्मा, माधव राज सिंह, राहुल सिंह, संतोष पांडेय, राजू सिंह सहित क्षेत्र के प्रधान, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रवासियों ने पुल निर्माण के लिए राज्य मंत्री का आभार व्यक्त किया।

छह: पुस्तकों का विमोचन

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह में विभिन्न विषयों पर केंद्रित छः पुस्तकों का विमोचन किया गया। इनमें मुराद अली की 'टीम बिल्डिंग एंड लीडरशिप' तथा 'फाइनेंसिंग न्यू बिजनेस वेंचर', प्रो. गिरिधर मिश्र की 'टीमों और ऊर्जा की अद्भुत दुनिया', डॉ. आलोक गुप्ता की 'फाउंडेशन ऑफ फाइनेंशियल मॉडलिंग एंड मॉडर्न अकाउंटिंग स्ट्रेटजी', डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव की 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' तथा डॉ. प्रियंका कुमारी सिंह की 'संघर्ष से अस्तित्व तकरू एक स्त्री की यात्रा' एवं 'भारतीय समाज में विधवा महिलाओं की परिस्थिति' पुस्तकों का विमोचन किया गया।

चार शिक्षकों को दिया उत्कृष्ट पुरस्कार

ज्ञान, समर्पण और सतत शैक्षणिक साधना को सम्मानित करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं उत्कृष्ट योगदान देने वाले चार शिक्षकों को उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान से अलंकृत किया गया। सम्मानित होने वालों में टी.डी. कॉलेज, जौनपुर के प्राचार्य प्रो. राम आसरे सिंह, टीडी कालेज के डॉ. विशाल सिंह, राष्ट्रीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जमुहाई के डॉ. प्रशांत सिंह तथा वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) शोध संस्थान के डॉ. धीरेंद्र कुमार चौधरी सहित कुल चार शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

स्कूल का गैस सिलिंडर चोरी

जौनपुर बदलापुर विकासखंड क्षेत्र के रामपुर गांव के प्राथमिक विद्यालय की रसोई घर की कुण्डी तोड़कर चोरों ने गैस सिलिंडर पर हाथ साफ कर दिया। .सुबह जब प्रधानाध्यापक सच्चिदानंद तिवारी विद्यालय पहुंचे तो कुण्डी टूटा देख उनके होश उड़ गये। आनन फानन में उन्होंने इसकी सूचना 112 पुलिस तथा प्रधान को दी मोके पर पहुंची पुलिस की स्थलीय निरीक्षण के पश्चात प्रधानाध्यापक ने बताया कि इसकी लिखित जानकारी बदलापुर पुलिस को दे दी गयी है। पुलिस जांच में जुटी है। वैकल्पिक सहारे प्रधान द्वारा मिड डे मील चलाया जा रहा है।

सर्पदंश से मासूम बालक की मौत

जौनपुर। बदलापुर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत सराय त्रिलोकी गांव में सुबह सर्पदंश से मासूम की दर्दनाक मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार फूलचंद गौतम का 6 वर्षीय पुत्र किशन सुबह घर के बाहर खेल रहा था। वह खेलते खेलते बाहर छप्पर मे चला गया। जहां उसे सर्प ने काट लिया।कुछ देर में उसकी तबीयत बिगड़ने लगी तो परिजन उसे इलाज के लिए अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने देखते ही उसे मृत घोषित कर दिया।शव घर पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया।पड़ोसियों के मुताबिक किशन अपने मां–बाप का इकलौता बेटा था। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची बदलापुर कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकरपोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस हृदय विदारक घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल व्याप्त है।

कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि, वीरांगना व पूर्व सैनिकों का हुआ सम्मान

फतेहपुर। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय परिसर में श्रद्धा और सम्मान के साथ समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कर्नल दिनेश कुमार शर्मा (अ.प्रा.) ने किया। समारोह में कारगिल शहीद विजय पाल की पत्नी सुषमा देवी, उनकी माता सुखदेवी सहित युद्ध में घायल (विकलांग) सैनिकों एवं पूर्व सैनिकों ने कार्यालय परिसर में स्थापित शहीद स्मारकों पर रीथ (पुष्पचक्र) एवं पुष्पांजलि अर्पित कर अमर वीरों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने कारगिल के शहीदों के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। इसके बाद कर्नल दिनेश कुमार शर्मा ने समारोह में उपस्थित वीरांगनाओं, युद्ध में घायल सैनिकों एवं पूर्व सैनिकों को अंगवस्त्र और स्मृति–चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले सैनिकों का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। अंत में सभी ने शहीदों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

आरएसएस गुरु दक्षिणा महोत्सव आयोजित

बाराबंकी। नई सड़क स्थित डॉ. अवधेश प्रकाश शर्मा पीजी कॉलेज, नसीपुर मंसारा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की संघ शाखा द्वारा गुरु दक्षिणा महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आज कॉलेज परिसर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संयोजन एवं जिला व्यवस्था प्रमुख राजकुमार शर्मा ने किया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में रामसनेही घाट के जिला कार्यवाह वेद प्रकाश उपस्थित रहे। वक्ता के तौर पर सीतापुर के प्रांत परियोजना प्रमुख, धर्म जागरण समन्वय विभाग से अरविंद जी ने शिरकत की। उत्तर प्रदेश सरकार के खाद्य रसद एवं नागरिक आपूर्ति राज्य मंत्री सतीश चंद्र शर्मा भी इस अवसर पर मौजूद रहे। कार्यक्रम में खंड कार्यवाह पूर्णमासी साहू, जिला घुमंतू जनजाति प्रमुख अनिल कौशल और कार्यक्रम शिक्षक सीताराम सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। गुरु दक्षिणा महोत्सव का शुभारंभ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशवराम बलिराम हेडगेवार और द्वितीय सरसंघचालक माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर को पुष्पांजलि एवं दीपांजलि अर्पित कर किया गया।

दो बुलेट की आमने–सामने भिड़ंत मे युवक हुए घायल

आजमगढ़ 27 जुलाई(आर एन एस)नगर पंचायत कटघर लालगंज स्थित राजेश रेस्टोरेंट के समीप रविवार की रात्रि लगभग 10:30 बजे दो बुलेट मोटरसाइकिलों की आमने–सामने टक्कर हो गई। हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया जबकि पीछे बैठा युवक मामूली रूप से जख्मी हुआ। दुर्घटना के बाद दूसरी बाइक का चालक मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।प्राप्त समाचार के अनुसार राजेश रेस्टोरेंट के सामने दोनों बाइकों में आमने–सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में नीली बुलेट चला रहे शनि गुप्ता (24) वर्ष पुत्र साहब गुप्ता, निवासी बिंद्रा बाजार, थाना गंभीरपुर गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके साथ पीछे बैठे अंश गुप्ता पुत्र ओंकार गुप्ता को हल्की चोटें आईं। घटना के बाद मौके पर मौजूद समाजसेवी विवेक सोनकर ने तत्परता दिखाते हुए स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल सौ सैया संयुक्त चिकित्सालय लालगंज पहुंचाया।

दुकान के निर्माण कार्य के दौरान मजदूर की करंट से मौत,परिजनों का आरोप ठेकेदार और संचालक की लापरवाही से गई जान

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के नगर कोतवाली क्षेत्र में निर्माणाधीन

गारमेंट्स की दुकान में काम कर रहे 38 वर्षीय मजदूर पटमेश्वरी तिवारी की करंट लगने से मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों ने ठेकेदार और दुकान संचालक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त सूचना के अनुसार ग्राम सोनी हरलाल निवासी पटमेश्वरी तिवारी मजदूरी करके अपने परिवार का पालन–पोषण करते थे।सोमवार शाम करीब 7 बजे वह निर्माणाधीन दुकान में काम कर रहे थे।इसी दौरान अचानक करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए।साथी मजदूर उन्हें तत्काल डॉ. आलोक शुक्ला के अस्पताल लेकर पहुंचे।कई घंटे इलाज के बाद रात करीब 11रु30 बजे डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।परिजनों का आरोप है कि निर्माणाधीन दुकान में बिजली के तार खुले पड़े थे और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे।इसी लापरवाही के कारण पटमेश्वरी करंट की चपेट में आए।परिजनों ने ठेकेदार और दुकान संचालक की जिम्मेदारी तय कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। प्रभारी नगर कोतवाल बिंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने कुछ मीडिया के लोगो को जानकारी करने पर बताया कि करंट किन परिस्थितियों में लगा और हादसे के लिए कौन जिम्मेदार है,इसकी जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

डायट श्रावस्ती में भाषा शिक्षण पर विशेष मंथन, पाँच दिवसीय संदर्भदाता प्रशिक्षण का दूसरा दिन संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), श्रावस्ती में प्राचार्य सत्येंद्र सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित पाँच दिवसीय ब्लॉक स्तरीय संदर्भदाता प्रशिक्षण कार्यक्रम का द्वितीय दिवस मंगलवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के दूसरे दिन का मुख्य विषय श्भाषा शिक्षणश् रहा, जिसमें प्रतिभागियों को नवीन शिक्षण पद्धतियों एवं अद्यतन शिक्षक संदर्शिका की महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं। प्रशिक्षण सत्र में डायट प्रवक्ता श्री गिरीश मिश्रा, ओ.पी. यादव, एसआरजी संत कुमार, नन्द कुमार पाठक तथा लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन (स्स्फ) की टीम ने सह–संदर्भदाता के रूप में प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत विभिन्न आकलन एवं सर्वेक्षणों

पर विस्तृत चर्चा से हुई। इसके बाद प्रतिभागियों को भाषा शिक्षण के विभिन्न आयामों से परिचित कराया गया तथा अद्यतन शिक्षक संदर्शिका में किए गए प्रमुख बदलावों पर विचार–विमर्श किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए और सत्र के अंत में सभी बिंदुओं की समेकित समीक्षा की गई। प्रशिक्षण में भाषा शिक्षण के दौरान खुले छोर वाले प्रश्न के महत्व पर विशेष बल दिया गया। साथ ही बच्चों में पठन कौशल विकसित करने की प्रभावी रणनीतियों का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया तथा विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति क्षमता को बढ़ावा देने के विभिन्न उपायों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। दिन के अंतिम चरण में साप्ताहिक आकलन एवं रेमेडियल (कैच–अप) शिक्षण की प्रक्रिया को विस्तारपूर्वक समझाया गया, जिससे प्रतिभागी विद्यालयों में बच्चों की सीखने की गति के अनुरूप प्रभावी शिक्षण सुनिश्चित कर सकें। संदर्भदाताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव परिषदीय विद्यालयों में भाषा शिक्षण की गुणवत्ता को नई दिशा देंगे तथा विद्यार्थियों के सीखने के स्तर में उल्लेखनीय सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे।

घाघरा का जलस्तर बढ़ने से कटान हुआ तेजी से जारी, आप–पास के ग्रामीण स्थान छोड़कर जाने को मजबूर

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के तरबगंज और कर्नलगंज क्षेत्र के तटीय इलाकों में घाघरा नदी का जलस्तर बीते 24 घंटे से लगातार बढ़ रहा है।वहीं नदी ने एक बार फिर तेजी से कटान शुरू कर दी है,जिससे ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गई हैं।जानकारों के मुताबिक नवाबगंज क्षेत्र के बाणी माझा गांव में फूलचंद यादव, नंदलाल यादव और अमर यादव के छप्पर के मकान कटान की जद में आ गए हैं।नदी उनके घरों तक पहुंच चुकी है, जिसके कारण ये परिवार अपने बचे हुए अस्थाई मकानों को हटाकर सुरक्षित स्थानों पर पलायन कर रहे हैं।कई किसानों के पास तो खुद की जमीन तक नहीं है वह दूसरे लोगों के जमीन पर अपना आशियाना बना रहे हैं।घाघरा नदी में पानी बढ़ने से लोग अपने छप्परनुमा घरों को तोड़ व छोड़कर पलायन करने

लगे हैं। नदी का पानी गांव के किनारे तक पहुंच गया है।नदी के कटान से अब तक फतेह बहादुर यादव के चार छप्पर के मकान,दिनेश यादव का तीन कमरों का पक्का मकान, दयाशंकर यादव का चूल्हा,टीन शेड और छप्पर का मकान नष्ट हो चुके हैं।संजय यादव का एक छप्पर, एक बोरिंग और पांच बीघा जमीन भी नदी में समा गई है।छप्पर और मकान छोड़कर लोग पलायन करने लगे हैं।इसके अतिरिक्त फतेह बहादुर की दस बीघा गन्ने की जमीन और तरबगंज व करनैलगंज तहसील क्षेत्रों में सैकड़ों बीघा अन्य उपजाऊ फसलें भी कटान की भेंट चढ़ चुकी हैं। गन्ने की फसल के सहारे ही किसान इसकी बिक्री करके अपना पूरा परिवार चलते हैं लेकिन अब उसे ही कट करके नदी अपने आगोश में ले रही है। नदी किनारे बने मकानों के किनारे तक पानी पहुंच गया है मंगलवार सुबह 10 बजे गिरजा बैराज से 11776 क्यूसेक, शारदा बैराज से 84285 क्यूसेक और सरयू बैराज से 1609 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है।इस पानी छोड़े जाने के बाद नदी का जलस्तर और तेजी से बढ़ा है।वर्तमान में लोगों की मानें तो एल्गिन ब्रिज पर घाघरा नदी खतरे के निशान से मात्र एक सेंटीमीटर नीचे बह रही है।नदी के तेजी से बढ़ते जलस्तर के कारण कई तटीय गांवों के आसपास पानी पहुंचना शुरू हो गया है।गोण्डा जनपद आपदा विशेषज्ञ ने बताया कि प्रशासन लगातार अलर्ट मोड पर है और सभी टीमें स्थिति पर नजर रख रही हैं।

श्रमजीवी पत्रकार यूनियन ने प्रेस क्लब निर्माण व पत्रकारों की स्वास्थ्य सुविधा की मांग के सम्बन्ध में दिया ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

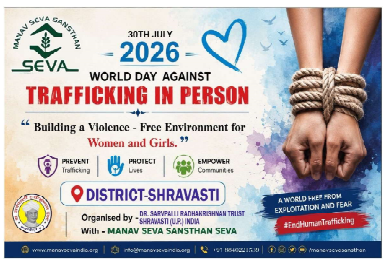

गोन्डा। जनपद में पत्रकारों के आवाज को बुलंद करने का काम उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन समय समय पर करता रहा है।इसी क्रम में जनपद में बहुत दिनों से पत्रकारो के लिए कई मुद्दे अधर में पड़े हुए थे,जिसको लेकर उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन,शाखा गोन्डा के जिलाध्यक्ष कैलाश

नाथ वर्मा के नेतृत्व में पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन डीएम प्रियंका निरंजन व मण्डलायुक्त को दिया गया।ज्ञापन में प्रमुख रूप से जनपद में प्रेस क्लब के निर्माण की मांग की गई। इसके साथ ही मेडिकल कॉलेज में पत्रकारों के लिए प्राथमिकता के आधार पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की भी मांग उठाई गई,ताकि पत्रकारों को उपचार के दौरान आवश्यक सहयोग मिल सके।संगठन के अध्यक्ष व सदस्यों को अधिकारियों ने सांत्वना दी कि प्रशासन द्वारा पत्रकार हितों से जुड़ी इन मांगों पर विचार करने हेतु शासन को पत्र प्रस्तुत करेगा।इस अवसर पर .ण कुमार शर्मा,विकास सोनी,हरीश गुप्ता,राजेंद्र सिंह जिंदल,राजू मौर्या,आर.सी. पांडेय,मणिकांत तिवारी,विजय बहादुर तिवारी, ओमचंद्र शर्मा,प्रमोद शर्मा, राकेश सहित संगठन के सैकड़ों सदस्य उपस्थित रहे।

मानव तस्करी विरोध दिवस पर श्रावस्ती में होगा जागरूकता कार्यक्रम, भारत–नेपाल सीमा पर रोकथाम को लेकर

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। मानव तस्करी, बाल श्रम और महिलाओं एवं बच्चों के शोषण के विरुद्ध जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 30 जुलाई को मानव तस्करी विरोध दिवस के अवसर पर श्रावस्ती में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. सर्वपल्ली राधा.ष्णन ट्रस्ट, श्रावस्ती द्वारा मानव सेवा संस्थान, गोरखपुर के सहयोग से किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 30 जुलाई 2026 को सुबह 10:30 बजे .ष्णलली सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, गिलौला, श्रावस्ती में आयोजित होगा। कार्यक्रम का

उद्देश्य भारत–नेपाल सीमा से सटे श्रावस्ती जनपद में मानव तस्करी, बाल श्रम, महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध हिंसा, असुरक्षित प्रवासन तथा सभी प्रकार के शोषण की रोकथाम के लिए समाज, प्रशासन और विभिन्न संस्थाओं के सामूहिक प्रयासों को मजबूत करना है। कार्यक्रम में बाल कल्याण समिति, जिला प्रोबेशन विभाग, एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट तथा पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे। इस दौरान छात्र–छात्राओं को मानव तस्करी के कारण, उसकी पहचान, बचाव के उपाय, पीड़ितों के पुनर्वास तथा उपलब्ध कानूनी सहायता की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि भारत–नेपाल सीमा पर स्थित होने के कारण श्रावस्ती मानव तस्करी की .ष्टि से संवेदनशील जनपद है। ऐसे में स्कूलों, पुलिस, प्रशासन, सामाजिक संगठनों और आमजन की सक्रिय भागीदारी से ही इस गंभीर समस्या पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। डॉ. सर्वपल्ली राधा.ष्णन ट्रस्ट ने सभी सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों, छात्र–छात्राओं तथा पत्रकार बंधुओं से कार्यक्रम में उपस्थित होकर मानव तस्करी के विरुद्ध जनजागरूकता अभियान को सफल बनाने की अपील की है।कैप्शनरू 30 जुलाई को गिलौला में आयोजित मानव तस्करी विरोध दिवस कार्यक्रम में मानव तस्करी, बाल श्रम और शोषण की रोकथाम के लिए जनजागरूकता पर विशेष चर्चा होगी।

इकौना.पयागपुर मार्ग पर बस और ट्रक की आमने–सामने भिड़ंत, कई यात्री घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

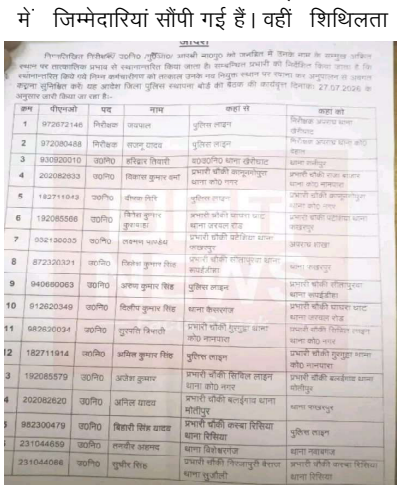

पयागपुर (बहराइच)। इकौना.पयागपुर मार्ग पर रंजीतनगर के पास मंगलवार को शांति ट्रेवल्स की बस और एक ट्रक के बीच आमने–सामने की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बस में सवार कई यात्री घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल सीएचसी पयागपुर में भर्ती कराया गया। पुलिस भी मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में जुट गई तथा दुर्घटना के कारणों की

जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार अधिकांश घायलों को मामूली चोटें आई हैं और सभी का उपचार जारी है। हादसे के बाद कुछ समय के लिए मार्ग पर यातायात प्रभावित रहा, जिसे पुलिस ने सामान्य कराया।

बहराइच पुलिस में बड़ा फेरबदलरू 28 पुलिसकर्मियों के तबादले, कई चौकी प्रभारियों को मिली नई जिम्मेदारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद में कानून–व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं चुस्त–दुरुस्त बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है।

जिला पुलिस स्थापना बोर्ड की संस्तुति के आधार पर जारी आदेश में 2 निरीक्षकों, 15 उपनिरीक्षकों, 2 मुख्य आरक्षियों तथा 9 आरक्षियों सहित कुल 28 पुलिसकर्मियों का स्थानांतरण किया गया है। जारी आदेश के तहत कई थाना व चौकी प्रभारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। वहीं

कर्तव्य के प्रति लापरवाही एवं शिथिलता बरतने वाले कुछ पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से पुलिस लाइन भेजा गया है। इस फेरबदल में कई महत्वपूर्ण चौकियों और थानों पर नए प्रभारी नियुक्त किए गए हैं, जिनमें राजा बाजार, कांसापुर, पटेरिया, हेतमपुरवा, गुरुगुट्टा, सिविल लाइन, बलदियाबाग, महराजी, कस्बा रिसिया समेत अन्य चौकियां शामिल हैं। इसके अलावा कई अधिकारियों को विभिन्न थानों में नई तैनाती दी गई है।

पुलिस अधीक्षक ने सभी स्थानांतरित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे तत्काल अपने नवीन तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण कर कानून–व्यवस्था को और अधिक सुद्द बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। एसपी के इस बड़े प्रशासनिक फैसले के बाद पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई है। माना जा रहा है कि इस फेरबदल से अपराध नियंत्रण, जनसुरक्षा और पुलिसिंग व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी।

13.81 ग्राम अवैध स्मैक के साथ युवक गिरतार, भेजा गया जेल

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच। जनपद के थाना पयागपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 13.81 ग्राम अवैध स्मैक के साथ एक अभियुक्त को गिरतार किया है। गिरतार अभियुक्त की पहचान

दीपक शुक्ला पुत्र विजय शुक्ला, निवासी बरगदही नेजा भार, थाना पयागपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से बरामद अवैध स्मैक को जब्त कर आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। ऐसे मामलों में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में उद्योग बन्धु की बैठक सम्पन्न

.एक्सप्रेसवे के समीप दुद्धी तहसील के बभनी ब्लॉक में 1000 हेक्टेयर में बनेगा औद्योगिक हब

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद में औद्योगिक निवेश को नई गति देने तथा निवेशकों के समक्ष आने वाली समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में उद्योग बन्धु की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में प्रस्तावित औद्योगिक परियोजनाओं, निवेश संबंधी प्रकरणों, भूमि उपलब्धता, बैंकिंग सहयोग तथा विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद को औद्योगिक हब के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए एकी.त विनिर्माण एवं लॉजिस्टिक क्लस्टर (औद्योगिक हब) स्थापित करने के लिए एक्सप्रेसवे के समीप दुद्धी तहसील के बभनी ब्लॉक में 1000 हेक्टेयर भूमि का चिन्हांकन कर शासन को प्रस्ताव भेजा जा चुका है। इससे जनपद में बड़े औद्योगिक निवेश आकर्षित होंगे तथा स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध होंगे। यहाँ पर एक हजार हेक्टेयर में इन्टीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग व लाजिस्टीक क्लस्टर (आई0एम0एल0सी0) का निर्माण होगा। औद्योगिक हब के रूप में सोनभद्र को विकसीत करने की दिशा में बड़ा कदम है। आदिवासिय बाहुल्य अति पिछड़े जिले सोनभद्र को प्रदेश का नया औद्योगिक हब बनाने की दिशा में निरन्तर प्रयास किया जा रहा है। बैठक में जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने उप जिलाधिकारी रॉबर्ट्सगंज को निर्देशित किया कि सरदार पटेल औद्योगिक क्षेत्र के पुनर्ग्रहण का प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर एमएसएमई विभाग को भूमि हस्तांतरण की समस्त प्रक्रिया समयबद्ध रूप से पूर्ण कराई जाए, जिससे औद्योगिक विकास की योजनाओं को शीघ्र धरातल पर उतारा जा सके। बैठक के दौरान उद्यमी मित्र के माध्यम से विभिन्न औद्योगिक परियोजनाओं में आ रही समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने ग्रीनको ग्रुप से संबंधित भूमि सीलिंग प्रकरण की रिपोर्ट शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही जेएसडब्ल्यू परियोजना की संयुक्त जांच आख्या एक सप्ताह के भीतर तैयार कर प्रस्तुत करने के लिए उप जिलाधिकारी रॉबर्ट्सगंज एवं वन विभाग को निर्देशित किया। बैठक में बैंकिंग व्यवस्था की समीक्षा करते हुए बैंकों में ऋण संबंधी आवश्यक चेकलिस्ट नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित न होने की समस्या को संज्ञान में लेकर जिलाधिकारी ने अग्रणी जिला प्रबंधक को नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिया कि दो दिवस के भीतर जनपद के सभी बैंकों में ऋण संबंधी चेकलिस्ट अनिवार्य रूप से प्रदर्शित कराई जाए, ताकि आमजन एवं उद्यमियों को आवश्यक जानकारी सहज रूप से उपलब्ध हो सके। जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना एवं प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत लंबित ऋण प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी बैंकों को निर्देशित किये कि पात्र लाभार्थियों के आवेदन बिना अनावश्यक विलंब के समयबद्ध रूप से निस्तारित किए जाएं।

उन्होंने कहा कि स्वरोजगार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है, इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, प्रभागीय वनाधिकारी रॉबर्ट्सगंज आशुतोष कुमार, प्रभागीय वनाधिकारी ओबरा दिलीप तिवारी, उप जिलाधिकारी सदर आशीष कुमार त्रिपाठी, सहायक आयुक्त उद्योग विजय कुमार, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, उद्यमी मित्र नितिन प्रकाश सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं व्यापारीगण उपस्थित रहे।

दिनदहाड़े कट्टे की नोक पर बदमाशों ने की लूट, तीन पुलिस टीमें जांच में जुटीं

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर (बहराइच)। बहराइच के पयागपुर थाना क्षेत्र में

मंगलवार को दिनदहाड़े हुई सनसनीखेज लूट की घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। मिली जानकारी अनुसार बैंक मित्र (बीसी) संचालक अयोध्या प्रसाद शुक्ला बैंक से करीब ध्2.53 लाख की नकदी निकालकर अपने बीसी केंद्र लौट रहे थे। इसी दौरान भिगुरी पुल के पास बाइक पर सवार तीन नकाबपोश बदमाशों ने उनका रास्ता रोक लिया। बदमाशों ने कट्टा दिखाकर जान से मारने की धमकी दी और लाखों रुपए से भरा बैग तथा बीसी मशीन लूटकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पयागपुर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मामले के शीघ्र खुलासे के लिए कई पुलिस टीमों का गठन किया गया है। संभावित मार्गों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। दिनदहाड़े हुई इस वारदात के बाद क्षेत्र के बीसी संचालकों, व्यापारियों और आम नागरिकों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने पुलिस से अपराधियों की शीघ्र गिरतारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

विधानसभा सामान्य निर्वाचन की तैयारियां शुरू, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी चर्चित गौड़ ने अवगत कराया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2026–27 की तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। निर्वाचन प्रक्रिया के सफल एवं निष्पक्ष संचालन के लिए विभिन्न स्तरों पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तैनाती की जानी है। इसके लिए सभी विभागों से अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विवरण तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। निर्वाचन कार्यों के लिए नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी, उड़न दस्ता टीम , स्थायी निगरानी टीम , वीडियो अवलोकन टीम, वीडियो निगरानी टीम, ईवीएम मास्टर ट्रेनर, जोनल एवं सेक्टर अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। इस संबंध में सभी विभागों में कार्यरत ऐसे अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विवरण मांगा गया है, जिनका ग्रेड पे रूपया 4200 (मैट्रिक्स लेवल–6) अथवा उससे अधिक है। जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों एवं कार्यालयाध्यक्षों को निर्देशित किया है कि अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सूचना हार्ड कॉपी एवं एक्सेल शीट (सॉट कॉपी) सहित 06 दिवस के भीतर अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं। सॉट कॉपी पर प्रेषित की जाए, ताकि निर्वाचन संबंधी नियुक्तियों की कार्यवाही समयबद्ध रूप से पूर्ण की जा सके। उन्होंने सभी विभागों से समयसीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

बच्चों का आधार कार्ड बनवाने में लापरवाही न करें, सभी विभाग प्राथमिकता से सुनिश्चित करें कार्य–जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आधार प्रमाणीकरण एवं आधार कार्ड निर्माण से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन विभागों के पास आधार कार्ड बनाने एवं आधार प्रमाणीकरण हेतु मशीनें उपलब्ध हैं, वे बच्चों के आधार कार्ड बनाने के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता पर सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आधार आज प्रत्येक नागरिक की पहचान का महत्वपूर्ण दस्तावेज है तथा शासन की विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए आधार का अद्यतन एवं प्रमाणीकरण अत्यंत आवश्यक है। जिलाधिकारी ने कहा कि विशेष रूप से नवजात एवं छोटे बच्चों का आधार कार्ड समयबद्ध रूप से बनाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने से पूर्व प्रत्येक व्यक्ति अपने आधार का बायोमेट्रिक अपडेट अनिवार्य रूप से करा ले, जिससे भविष्य में किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या अथवा सरकारी सेवाओं का लाभ प्राप्त करने में कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस संबंध में व्यापक जनजागरूकता अभियान भी चलाया जाए। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में बेसिक शिक्षा विभाग, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार (आईसीडीएस) विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग को बच्चों के आधार कार्ड बनाने हेतु आधार नामांकन मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं। इन विभागों के माध्यम से विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं स्वास्थ्य संस्थानों पर बच्चों के आधार कार्ड बनाए जा रहे हैं। वहीं बैंकों एवं डाकघरों (पोस्ट ऑफिस) में आम नागरिकों के आधार कार्ड बनाने, आधार में संशोधन एवं बायोमेट्रिक अपडेट की सुविधा उपलब्ध है। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग करते हुए शत–प्रतिशत पात्र बच्चों के आधार कार्ड बनाए जाएं तथा समय पर उनका बायोमेट्रिक अपडेट भी सुनिश्चित कराया जाए। जिलाधिकारी ने बताया कि आधार से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत अथवा तकनीकी समस्या होने पर नागरिक यूआईडीएआई के टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1947 पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके अतिरिक्त जनपद का आधार सहायता केंद्र रोडवेज बस अड्डे के पास संचालित है। आधार सहायता केंद्र के नोडल अधिकारी श्री आशीष कुमार पाण्डेय हैं, जिनका मोबाइल नंबर 8750159181 है। आधार से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या के समाधान के लिए नागरिक उक्त नंबर पर भी संपर्क कर सकते हैं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, जिला सांख्यिकी अधिकारी संतपाल वर्मा, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में आधार प्रमाणीकरण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनहितकारी बनाने के संबंध में विस्तार से चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।

गैस सिलेंडर लेने पहुंचे किसान की लाइन में खड़े–खड़े मौत, एजेंसी परिसर में मचा हड़कंप

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। जनपद के सोनवा थाना क्षेत्र स्थित शाहपर कठौतिया भारत गैस एजेंसी पर गैस सिलेंडर लेने पहुंचे एक किसान की लाइन में खड़े–खड़े अचानक मौत हो गई। घटना से एजेंसी परिसर में अफरा–तफरी मच गई और पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार, इमलिया नारायण उत्तमापुर निवासी किसान मकसूद गैस सिलेंडर लेने के लिए भारत गैस एजेंसी पर पहुंचे थे। वह लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे, तभी अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और वह जमीन पर गिर पड़े। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत उनके परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। वहीं घटना की जानकारी पुलिस को भी दी गई। सूचना मिलने पर सोनवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू कर दी। किसान की अचानक हुई मौत के बाद गैस एजेंसी परिसर में हड़कंप मच गया। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। मौत के वास्तविक कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा।

चोरी की मोटरसाइकिल सहित वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा' द्वारा वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरतारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ' ऋषभ रुणवाल' के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी दुद्धी ' विनय प्रभाकर साहनी' के कुशल निर्देशन में थाना बभनी पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 '155/2026, धारा 303(2), 317(2) बीएनएस' से संबंधित वांछित अभियुक्त 'राजपाल सिंह खरवार पुत्र हीरा सिंह खरवार', निवासी ग्राम सेमरिया, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 25 वर्ष को मुखबिर की सूचना पर '28.07.2026' को समय करीब '09रू10 बजे' बिजली पावर हाउस, ग्राम बड़होर के पास से गिरतार कर विधिक कार्यवाही पूर्ण कर न्यायालय भेजा गया।

हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास, एक लाख रुपए का लगा अर्थदण्ड

कुशीनगर। जिला एवं सत्र न्यायालय ने हत्या के मामले में एक अभियुक्त को आजीवन कारावास की सजा सुनाते हुए एक लाख रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। कुशीनगर पुलिस द्वारा ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत निरन्तर प्रभावी पैरवी कर दोषियों को सजा दिलवाए जाने के क्रम में थाना तरयासुजान पर पंजीकृत मु0अ0सं0– 99/2024 धारा–302/323/506/34 भादवि में दोषी अभियुक्त के विरुद्ध स्थानीय पुलिस, मॉनिटरिंग सेल व जिला शासकीय अधिवक्ता द्वारा प्रभावी पैरवी व सार्थक कार्यवाही किया गया। जिसके फलस्वरुप जिला एवं सत्र न्यायालय द्वारा अभियुक्त शिवपूजन सिंह पुत्र स्व0 झगरु सिंह साकिन विरवट कोन्हवलिया थाना तरयासुजान जनपद कुशीनगर के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर अपराध सिद्ध करते हुए उपरोक्त अभियुक्त को आजीवन कारावास व 1,00,000ध्– रुपये अर्थदण्ड की सजा सुनाई गई। अभियुक्त को सजा दिलाने में विवेचक उ0नि0 मृत्युंजय सिंह व नि0 महेन्द्र प्रताप सिंह, डीजीसी क्रिमिनल, जी0पी0 यादव, थानाध्यक्ष तरयासुजान नितिन रघुनाथ श्रीवास्तव, पैरोकार का0 संदीप कुमार का सराहनीय योगदान रहा है।

आपरेशन मजनू के तहत 6 युवक गिरफ्तार, दो वाहन सीज, दस वाहनों का कटा चालान

कुशीनगर। कुशीनगर पुलिस द्वारा जनपद के विभिन्न थानों में स्कूलों, कालेजों, महा विद्यालयो के आसपास संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन मजनू अभियान के तहत कप्तानगंज पुलिस ने प्रभावी कार्यवाही करते हुए 6 लोगों को गिरफ्तार किया। साथ ही यातायात नियमों के उल्लंघन एवं संदिग्ध परिस्थितियों में पाए जाने पर दो वाहनों को सीज तथा 10 वाहनों का चालान किया गया एवं 04 लोगों से मौके पर चेतावनी देते हुए माफीनामा लिया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई से यातायात नियमों एवं संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त लोगों में दहशत का माहौल कायम हो गया है।

पुलिस अधीक्षक केशव कुमार के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ वर्मा के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी कसया डा0 अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को सुनिश्चित करने तथा विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षित वातावरण बनाए रखने के उद्देश्य से संचालित ऑपरेशन मजनू के तहत कप्तानगंज पुलिस द्वारा विशेष कार्यवाही की गयी है। कार्यवाही के दौरान विद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों, बस स्टैंड एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर सघन चेकिंग एवं भ्रमण किया गया। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की गई तथा महिलाओं एवं छात्राओं की सुरक्षा के दृष्टिगत सतर्क निगरानी रखी गई। साथ ही अभियान के दौरान छात्राओं एवं महिलाओं को मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, वूमेन पावर हेल्पलाइन नं0–1090, आपातकालीन डायल–112, 181, 1930,102,108 तथा थाना स्थानीय पर संचालित महिला सुरक्षा केंद्र महिला हेल्प डेस्क, बाल विवाह निषेध एवं वर्तमान में हो रहे महिलाओं से संबंधित अपराधों के बारे में जागरूक किया गया और साइबर फ्रॉड के संबंध में बताया गया। डिजिटल अरेस्टिंग की भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास किया गया। ओटीपी न बताने और ऑनलाइन पेमेंट से बचने की हिदायत भी दी। महिला हेल्प डेस्क, मिशन शक्ति केंद्र के कार्यों के बारे में जानकारी दी गयी एवं महिलाओं के लिए प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में भी जागरूक किया गया।

इस कार्यवाही के दौरान जेपी इण्टर कालेज कस्बा कप्तानगंज से संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त 06 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया तथा यातायात नियमों के उल्लंघन एवं संदिग्ध परिस्थितियों में पाए जाने पर कुल दो वाहनों को सीज कर 10 वाहनों का चालान किया गया तथा 04 लोगों से मौके पर चेतावनी देते हुए माफीनामा लिया गया। गिरफ्तार व्यक्तियों के विरूद्ध अन्तर्गत धारा 170ध126ध135 बीएनएसएस के तहत नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई भी की गई है। गिरफ्तार किये गये लोगों में ओमकार पाण्डेय पुत्र चन्द्र प्रकाश पाण्डेय उम्र 18 वर्ष साकिन देवरिया बाबू कोटिया थाना रामकोला जनपद कुशीनगर, शन्नी साहनी पुत्र परमहंस साहनी उम्र 19 वर्ष साकिन देवरिया बाबू कोटिया थाना रामकोला जनपद कुशीनगर, राजन साहनी पुत्र कृष्ण साहनी उम्र 23 वर्ष साकिन देवरिया बाबू कोटिया थाना रामकोला जनपद कुशीनगर, साहिल यादव पुत्र अर्जुन यादव उम्र 19 वर्ष साकिन जमुनी बरवा थाना कप्तानगंज जनपद कुशीनगर, विकेश तिवारी पुत्र प्रेम तिवारी उम्र 21 वर्ष साकिन जमुनी बरवा थाना कप्तानगंज जनपद कुशीनगर, सागर गौतम पुत्र अच्छेलाल प्रसाद उम्र 18 वर्ष साकिन जमुनी बरवा थाना कप्तानगंज जनपद कुशीनगर शामिल है। कार्यवाही करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष कप्तानगंज धीरेन्द्र कुमार राय, उ0नि0 कुलदीप मौर्य, का0 विनय सिंह कुशवाहा, का0 सन्तोष चौहान, का0 मुकेश चौहान, का0 अखिलेश यादव प्रथम, का0 मो0 आजम, म0का0 रश्मि सिंह, म0का0 संजना आनन्द, म0का0 दीक्षा यादव, म0 का0 अराधना सिंह, म0का0 निशा गौड़, म0का0 रिया यादव, म0का0 खुशबू यादव शामिल रहे।

हत्यारोपी आला कत्ल चाकू के साथ गिरफ्तार, भेजा गया जेल

कुशीनगर। जनपद के कुबेरस्थान पुलिस ने हत्या के मामले में वांछित एक अभियुक्त को आला कघ्त्ल चाकू के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार बीते 27 जुलाई को थाना कुबेरस्थान थाना क्षेत्र के ग्राम पचरुखिया टोला धनटोली के निकट गंडक नहर के कच्ची पटरी पर हीरालाल पुत्र स्व. घरभरन उम्र 32 वर्ष की धारदार हथियार से चोट पहुंचकर हत्या करने की सूचना प्राप्त हुई थी।

सूचना पर पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया तथा मृतक की पत्नी की तहरीर पर थाना कुबेरस्थान में मु0अ0सं0 152ध2026 धारा 103(1) बीएनएस के अन्तर्गत मुकदमा दर्ज किया गया था। आज 28 जुलाई को कुबेरस्थान पुलिस टीम द्वारा घटना में शामिल अभियुक्त शहजाद उर्फ सज्जाद पुत्र अहमद मियां निवासी रतनचक थाना मीरगंज जनपद गोपालगंज राज्य बिहार को गिरफ्तार किया।

खरीफ सीजन के लिए 1377 मीट्रिक टन यूरिया व 1168 मीट्रिक टन डीएपी आवंटित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। खरीफ फसल की बुवाई के लिए किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की संस्तुति पर 74 सहकारी समितियों व इफको बिक्री केंद्रों के लिए 1377 मीट्रिक टन यूरिया तथा 71 समितियों व इफको केंद्रों के लिए 1168 मीट्रिक टन डीएपी आवंटित किया है। डीएम ने बताया कि उर्वरकों की आपूर्ति पीसीएफ के माध्यम से संबंधित बिक्री केंद्रों तक कराई जा रही है। किसानों से निर्धारित मूल्य पर ही खाद खरीदने तथा कालाबाजारी, ओवररेटिंग या .त्रिम अभाव की शिकायत मिलने पर तत्काल सहकारिता विभाग के कंट्रोल रूम या जिला कृषि अधिकारी कार्यालय को सूचना देने की अपील की गई है।

खाद संबंधी किसी भी समस्या के समाधान के लिए किसान 9198788248 और 9452165778 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। प्रशासन ने कहा कि खरीफ सीजन में उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

श्रावण माह 30 से

आचार्य धीरज राजेंद्र दुबे (ज्योतिषाचार्य)

श्रावण माह इस बार 30 जुलाई दिन गुरुवार को शुरू हो रहा है राजेंद्र ज्योतिष परामर्श केन्द्र के संस्थापक आचार्य ध ीरज राजेंद्र दुबे ने बताया कि श्रावण माह में रुद्राभिषेक का महात्म्य एवं धार्मिक महत्व

घ्सनातन धर्म में श्रावण (सावन) मास को अत्यंत पवित्र और भगवान शिव का सबसे प्रिय महीना माना गया है। इस माह में भोलेनाथ की भक्ति, उपासना और साधना से भक्तों को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। श्रावण मास में भगवान शिव को प्रसन्न करने का सबसे अचूक और शक्तिशाली माध यम रुद्राभिषेक माना गया है।

रुद्राभिषेक का अर्थः रुद्र भगवान शिव का ही एक उग्र एवं कल्याणकारी स्वरूप है। रुतम्–दुःखम्, द्रावयति–नाशयतीति रुद्ररूश अर्थात् जो दुखों का नाश करते हैं, वे ही रुद्र हैं। घ्रुद्राभिषेक का सरल अर्थ हैकृ भगवान शिव का रुद्र रूप में पवित्र मंत्रों (विशेषकर रुद्राष्टाध्यायी के मंत्र) के उच्चारण के साथ विभिन्न द्रव्यों (जल, दूध, दही, शहद, गन्ने का रस आदि) से अभिषेक करना।

सावन में रुद्राभिषेक का विशेष महत्वः यद्यपि रुद्राभिषेक किसी भी शुभ तिथि को किया जा सकता है, किंतु श्रावण मास में इसका महत्व कई गुना बढ़ जाता है

सृष्टि के संचालक के रूप में शिवः धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, श्रावण माह में भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं। इस दौरान सृष्टि के संचालन का दायित्व भगवान शिव के हाथों में होता है।

विषपान की शीतलतारू समुद्र मंथन के दौरान निकले हलाहल विष को शिवजी ने इसी मास में अपने कंठ में धारण किया था। विष की जलन को शांत करने के लिए देवी–देवताओं ने उन पर जल अर्पित किया था। इसलिए सावन में शिव जी का जलाभिषेक या रुद्राभिषेक करने से वे अत्यंत प्रसन्न होते हैं।

शिवपुराण के अनुसार, रुद्राभिषेक में प्रयुक्त अलग–अलग सामग्रियों का अपना विशेष फल होता हैरू

रुद्राभिषेक में मनोकामना के अनुसार विभिन्न द्रव्यों का प्रयोग किया जाता है। प्रमुख द्रव्य और उनके फल निम्नलिखित हैंरू

गाय का दूधः उत्तम स्वास्थ्य, आरोग्य और वंश वृद्धि के लिए।
गन्ने का रसः लक्ष्मी प्राप्ति और आर्थिक समृद्धि के लिए।
शहदः पापों के नाश और पुरानी बीमारियों (रोग मुक्ति) से छुटकारा पाने के लिए।
दहीः भवन, वाहन और पशु सुख की प्राप्ति के लिए।
शुद्ध घीः वंश विस्तार और शारीरिक शक्ति के लिए।
गंगाजलः शुद्ध जलः मानसिक शांति, ज्वर (बुखार) की शांति और वर्षा के लिए।
शक्कर मिला दूधः बुद्धि एवं ज्ञान में वृद्धि के लिए।
सरसों का तेलः शत्रुओं के पराजय और शत्रुभय से मुक्ति के लिए।
कुशोदक (कुश मिला जल): असाध्य रोगों और शारीरिक कष्टों से मुक्ति के लिए।

खाने में तीखापन लाती है लाल मिर्च, जानिए इसके सेवन से मिलने वाले फायदे

लाल मिर्च का इस्तेमाल भारतीय रसोई में बहुत आम है। इसका उपयोग खाने को तीखा और स्वादिष्ट बनाने के लिए किया जाता है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि लाल मिर्च में कई ऐसे गुण भी होते हैं, जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हो सकते हैं। इस लेख में हम आपको लाल मिर्च के कुछ ऐसे ही लाभों के बारे में बताएंगे, जो आपको हैरान कर देंगे।

वजन कम करने में है मददगार

लाल मिर्च में एक खास तत्व होता है, जो शरीर की ऊर्जा को बढ़ाने में मदद करता है। यह तत्व शरीर की गर्मी को बढ़ाकर कैलोरी जलाने में सहायक होता है।

इसके अलावा यह भूख को कम करता है, जिससे आप कम खाते हैं और वजन नियंत्रित कर सकते हैं।

नियमित रूप से लाल मिर्च का सेवन करने से आप अपने वजन घटाने के लक्ष्य को तेजी से प्राप्त कर सकते हैं।

पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में है सहायक

लाल मिर्च का सेवन पाचन तंत्र के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह आंतरिक अंगों को सक्रिय करके पाचन क्रिया को बेहतर बनाती है।

इसके अलावा यह कब्ज, गैस और पेट दर्द जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में भी मदद करती है।

लाल मिर्च में मौजूद तत्व पाचन क्रिया को सुधारने में मदद करते हैं और शरीर को साफ करने में सहायक होते हैं। इस प्रकार लाल मिर्च का सेवन पाचन तंत्र के लिए लाभकारी हो सकता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में है प्रभावी

लाल मिर्च एक जरूरी विटामिन का अच्छा स्रोत होती है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में मदद करता है।

यह शरीर की सुरक्षा बढ़ाकर संक्रमण और बीमारियों से बचाव करता है। नियमित रूप से लाल मिर्च का सेवन करने से आप सर्दी–खांसी जैसी आम समस्याओं से बच सकते हैं और स्वस्थ रह सकते हैं।

इसके अलावा इसमें मौजूद गुण भी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में सहायक होते हैं।

खून के प्रवाह को बेहतर बनाने में है कारगर

लाल मिर्च खून के प्रवाह को बेहतर बनाने में मदद करती है। इसमें मौजूद तत्व रक्त वाहिकाओं को चौड़ा करता है, जिससे खून का प्रवाह सुचारू होता है।

यह तत्व शरीर के विभिन्न हिस्सों तक ऑक्सीजन युक्त खून पहुंचाने में सहायक होता है।

इसके अलावा यह तत्व थक्का बनने की संभावना को कम करता है, जिससे हृदय रोग का खतरा भी घटता है।

ममता कुलकर्णी के लोकप्रिय गाने का बना रीमेक, राणाजी 2.0 में इस बार माहिरा शर्मा ने लगाई डांस का तड़का

बॉलीवुड में लोकप्रिय गानों का रीमेक बनना कोई बड़ी बात नहीं है। अब 90 के दशक का चर्चित गाना मुझको राणा जी माफ करना रीमेक बनकर लौटा है, जिसे राणाजी 2.0 नाम दिया गया

है। इसमें माहिरा शर्मा अपने डांस का तड़का लगाती हुई नजर आ रही हैं। रीमेक वर्जन में भी आवाज अलका याग्निक और इला अरुण की है, लेकिन इसका संगीत तनिष्क बागची ने दिया है। कोरियोग्राफी रेमो डिसूजा ने की है, जबकि निर्माता कुमारी तौरानी हैं। टिप्स फिल्म्स के यूट्यूब चौनल पर राणाजी 2.0 गाना रिलीज हुआ है, जिसे मिली–जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। एक यूजर ने लिखा, राणा जी, सिर्फ एक हो सकते हैं और वो अमरीश पुरी हैं।

एक अन्य यूजर ने लिखा, बार–बार सिर्फ अलका याग्निक के गानों का रीमेक क्यों बनाया जा रहा है? बता दें, असल में यह गाना शाहरुख खान और सलमान खान अभिनीत फिल्म करण अर्जुन (1995) का है, जिसे ममता कुलकर्णी पर फिल्माया गया था।

बॉक्स ऑफिस पर धमाल 4 का धमाका, अजय देवगन की सबसे बड़ी फ्रेंचाइजी फिल्म बनी, टोटल धमाल का रिकॉर्ड तोड़ा

अभिनेता अजय देवगन की फिल्म श्धमाल 4च्य इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है। एडवेंचर–कॉमेडी से भरपूर यह फिल्म नई रिलीज फिल्मों श्जन नायकन्य और हॉलीवुड फिल्म श्द ओडिसीच्य के बीच भी दर्शकों की पहली पसंद बनी हुई है। फिल्म ने अपने तीसरे सप्ताहांत में भी शानदार कमाई करते हुए टिकट खिड़की पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी है।

रविवार को रिलीज के 17वें दिन भी फिल्म की कमाई में बड़ा उछाल देखने को मिला। बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट के अनुसार, श्धमाल 4च्य ने भारत में 17 दिनों में कुल 157.13 करोड़ रुपये का शुद्ध कारोबार कर लिया है। वहीं कर सहित फिल्म की कुल कमाई 185.41 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। फिल्म ने पहले सप्ताह में भारत में 99.09 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इसके बाद दूसरे सप्ताह में भी फिल्म ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 44.24 करोड़ रुपये जुटाए।

तीसरे सप्ताह के शुक्रवार यानी 15वें दिन फिल्म ने 2.29 करोड़ रुपये कमाए। इसके बाद शनिवार को कमाई में तेजी आई और फिल्म ने 4.79 करोड़ रुपये का कारोबार किया। वहीं तीसरे रविवार को फिल्म की कमाई में करीब 40 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया और इसने 6. 72 करोड़ रुपये का शुद्ध कारोबार किया।

17 दिनों की कमाई के साथ श्धमाल 4च्य ने अपनी फ्रेंचाइजी की पिछली तीनों फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। फिल्म ने श्टोटल धमाल्च्य के 154.30 करोड़ रुपये के आजीवन कारोबार को पार कर लिया है। इसके साथ ही यह श्धमाल्च्य फ्रेंचाइजी की अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है।

श्धमाल 4च्य ने अजय देवगन के करियर में एक और उपलब्धि जोड़ दी है। यह भारत में उनकी छठी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है। फिल्म ने श्शैतान्य के 154. 30 करोड़ रुपये के कारोबार को पीछे छोड़ दिया है।

अब फिल्म के सामने अगला लक्ष्य अजय देवगन की फिल्म श्रेड 2च्य के 179.30 करोड़ रुपये के कारोबार को पार करना है। अगर श्धमाल 4च्य यह आंकड़ा पार कर लेती है तो यह अजय देवगन की भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली शीर्ष पांच फिल्मों में शामिल हो जाएगी।

बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की मौजूदा रफ्तार को देखते हुए उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में श्धमाल 4च्य कई और नए रिकॉर्ड अपने नाम कर सकती है।

थलपति विजय के बेटे जेसन की फिल्म सिग्मा की रिलीज डेट आगे बढ़ा, अब 18 सितंबर को देगी दस्तक?

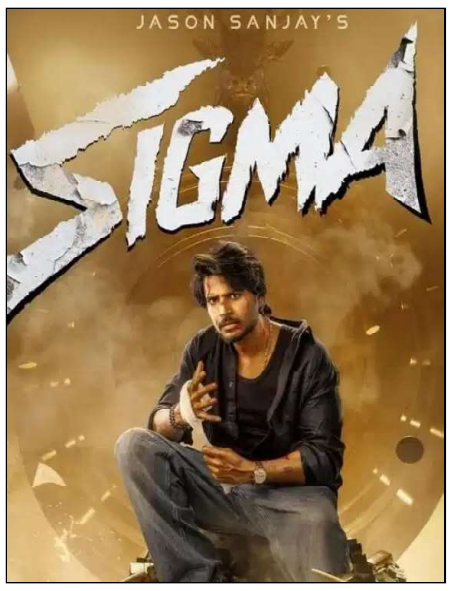

थलपति विजय के बेटे जेसन विजय सिग्मा से अपना डेब्यू कर रहे हैं। लोगों में इसे लेकर काफी उत्साह है क्योंकि यह उनका पहला प्रोजेक्ट है और वे तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के बेटे हैं।

जेसन के निर्देशन में बनी सिग्मा को 31 जुलाई को रिलीज होना था, लेकिन इसे टाल दिया गया क्योंकि उनके पिता विजय की आखिरी फिल्म जना नायकन 24 जुलाई को रिलीज हुई थी, ताकि दोनों फिल्मों के बीच कोई मुकाबला न हो।

अब सिग्मा की नई रिलीज डेट को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। चर्चा है कि मेकर्स इस फिल्म को 18 सितंबर 2026 को रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। फिल्म में फियारा अब्दुल्ला फीमेल लीड रोल में हैं, जबकि राजू सुंदरम, संपथ राज, शिव पंडित, अनबु थसन, योग जापी, मगलक्ष्मी, शीला राजकुमार, कमलेश और किरण कोंडा अहम भूमिकाओं में हैं। सुबास्करन अपने लाइका प्रोडक्शंस बैनर तले इस फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं।

फिल्म में संदीप किशन मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म के प्रमोशन और टीजर को हर तरफ से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है।

बॉक्स ऑफिस पर दहाड़ रही जन नायकन, 4 दिनों में वर्ल्डवाइड कमाई 200 करोड़ के पार

थलापति विजय की फिल्म जन नायकन सिनेमाघरों में ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। फिल्म 23 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, जिसे समीक्षकों और दर्शकों से मिली–जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई। तब से वीकेंड पर शानदार कारोबार करते हुए इसने वर्ल्डवाइड 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। भारतीय बॉक्स ऑफिस पर भी विजय की फिल्म को शानदार प्रतिक्रिया हासिल हुई है। आइए एक नजर डालते हैं जन नायकन के ताजा कलेक्शन पर।

सैकनिल्क के मुताबिक, जन नायकन ने रिलीज के चौथे दिन बॉक्स ऑफिस पर 32 करोड़ रुपये कमाए हैं।

इसमें तमिल वर्जन से 27.30 करोड़, हिंदी से 3.35 करोड़ और तेलुगु से 1.35 करोड़ रुपये शामिल हैं।

इससे पहले फिल्म ने तीसरे दिन 28.90 करोड़ रुपये, दूसरे दिन 21.15 करोड़ रुपये और पहले दिन 42.70 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।

इन आंकड़ों के साथ फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर कुल 124.75 करोड़ रुपये का नेट कारोबार कर लिया है।

जन नायकन विश्व स्तर पर भी कमाल और धमाल दिखा रही है। इसने विदेशों में, चौथे दिन 10 करोड़ रुपये कमाए, जिससे कुल विदेशी कमाई अब तक 71.50 करोड़ रुपये हो गई है।

इसके साथ ही, फिल्म का वैश्विक कुल कलेक्शन अब 217.48 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

एस विनोथ द्वारा निर्देशित ये फिल्म राजनीतिक एक्शन ड्रामा है, जिसमें विजय के साथ पूजा हेगड़े मुख्य किरदार में हैं।

बॉबी देओल, ममिता बैजू, प्रकाश राज और प्रियामणि भी शामिल हैं।